RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:191 ता. 25 जनवरी 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मोरबी पुल हादसा, ओरेवा समूह के जयसुख पटेल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, 135 की गई थी जान

अहमदाबाद/मोरबी। गुजरात की एक अदालत ने ओरेवा समूह के प्रबंध निदेशक जयसुख पटेल के खिलाफ 30 अक्तूबर को मोरबी में पुल गिरने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इस दुर्घटना में 135 लोग मारे गए थे। ओरेवा समूह की अजंता मैन्युफैक्चरिंग लि. को ही यहां मच्छू नदी पर बने पुल की मरम्मत और संचालन का काम दिया गया था। राज्य सरकार की ओर से गठित विशेष जांच दल ने फर्म की ओर से कई खामियों का हवाला दिया था। पीड़ित पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता दिलीप अगेचनिया ने सोमवार को बताया, मोरबी के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमजे खान ने अजंता मैन्युफैक्चरिंग लि. के प्रबंध निदेशक जयसुख पटेल के खिलाफ पुलिस से आवेदन मिलने के बाद गिरफ्तारी वारंट जारी किया। मामले में दर्ज प्राथमिकी में पटेल का आरोपी के रूप में नाम नहीं है, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए 20 जनवरी को मोरबी सत्र अदालत का रुख किया था। मामले में अब तक अजंता मैन्युफैक्चरिंग के चार कर्मियों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री से सवाल पूछिए...यात्रा के दौरान चलते-चलते भड़क गए जयराम रमेश

नई दिल्ली। अपने द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि हम सुरक्षा बलों का काफी सम्मान करते हैं और उनको सर्वोच्च स्थान देते हैं। इसके साथ ही सर्जिकल स्ट्राइक पर जम्मू में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि इसके बारे में मैंने कल ट्वीट कर बिल्कुल साफ बताया था कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी का क्या रवैया है और इस पर मैं कुछ नहीं बोलूंगा। सर्जिकल स्ट्राइक पर दिग्विजय सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जयराम रमेश ने कहा कि हमने सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। आप जाकर प्रधानमंत्री से सवाल पूछें।

न पुलवामा घटना की जानकारी दी और न ही सर्जिकल स्टाइक का प्रमाण-दिग्विजय

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में भाई-भाई को अलग करने का काम किया है। पुलवामा (कश्मीर) आतंकवाद का केंद्र बन चुका है वहां हर गाड़ी की जांच होती है, लेकिन एक गाड़ी बिना जांच पड़ताल के उल्टी दिशा से आती है और सुरक्षाकर्मियों के काफिले से टकराती है, जिसमें हमारे सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो जाते हैं।

मगर भाजपा सरकार ने इस घटना की जानकारी लोकसभा और जनता के सामने क्यों नहीं रखी। इसी तरह सर्जिकल स्ट्राइक की बात करते हैं लेकिन प्रमाण कुछ नहीं दिया। भाजपा केवल झूठ पर राज कर रही है।

सतवारी चौक से थोड़ा पीछे अशोक नगर में हाईवे पर सोमवार को राहुल गांधी की एक रैली में दिग्विजय सिंह ने कहा, भाजपा सरकार ने गरीब और अमीर में खाई बढ़ाई है। आर्थिक नीतियां कुछ चंद लोगों के हाथों में सौंपी गई हैं। कोविड के समय हर परिवार में मुसीबत आई, आमदनी कम हुई, महंगाई और बेरोजगार बढ़ी मगर कुछ परिवारों की आमदनी बढ़ती चली गई।

खासतौर पर मोदी जी के कुछ चुनिंदा दोस्तों की आमदनी आठ गुणा तक बढ़ गई। यह ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुद्ध रूप से आर्थिक नीतियां उनके अनुकूल बनाई गईं। आज जम्मू के लोगों को ठेके नहीं मिल रहे हैं और बाहरी लोगों को ठेके दिए जा रहे हैं। अनुच्छेद 370 हटने पर बोला गया था कि आतंकवाद खत्म हो जाएगा, जबकि जमीनी स्तर पर आतंकवाद बढ़ा है।

पहले आतंकवाद उत्तरी कश्मीर और घाटी तक सीमित था लेकिन अब राजोरी, पुंछ और डोडा तक आ गया है। प्रशासन जानबूझकर इसका समाधान करना नहीं चाहता है ताकि कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनती रहीं और हिंदु मुसलमानों में नफरत कायम रहे। कभी देखा किसी प्रधानमंत्री ने किसी फिल्म का प्रचार किया ,लेकिन मोदी ने कश्मीर फाइल्स का प्रचार किया। इसलिए ऐसे मुद्दों को लेकर भारत जोड़ो यात्रा को शुरू करने की जरूरत पड़ी।

देशभर में लोगों में नफरत का जहर बढ़ाया जा रहा है। संविधान को खत्म किया जा रहा है। भाजपा झूठ बोलती है। कन्याकुमारी में 7 सितंबर को राहुल गांधी ने स्वामी विवेकानंद मेमोरियल में उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित करके यात्रा की शुरुआत की थी, लेकिन भाजपा के एक नेता ने झूठ बोला कि राहुल ने ऐसा नहीं किया।

सर्जिकल स्ट्राइक पर दिग्विजय सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जयराम रमेश ने कहा कि हमने सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। आप जाकर प्रधानमंत्री से सवाल पूछें।

भाजपा सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार करती है। हर चीज को हिंदू मुसलमान से जोड़ दिया जाते हैं और ऐसे मुद्दों पर चर्चा में पाकिस्तान के नुमाइंदे और आरएसएस के लोग बिठा दिए जाते हैं, लेकिन मोदी नवाज शरीफ के घर में शादी में कैसे पहुंच जाते हैं। जब मुस्लिम और ब्रिटिश शासन में हिंदू धर्म खतरे में नहीं रहा तो अब कैसे रह सकता है।

मुर्मू ने उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य के लोगों को दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य के निवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सर्वाधिक जनसंख्या वाला यह राज्य संस्कृति, साहित्य, कला, राजनीति और सामाजिक परिवर्तन के आदर्श प्रस्तुत करता रहा है। मैं उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली और परिश्रमी निवासियों के स्वर्णिम भविष्य की मंगल कामना करती हूं।उल्लेखनीय है कि 24 जनवरी 1950 को संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश कर दिया गया। पूर्व राज्यपाल राम नाईक की पहल पर पहला दिवस मनाया गया था। मई 2017 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को यूपी दिवस मनाने की घोषणा की।

तेरहवीं की तैयारी कर लो

बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री को जान से मारने की धमकी

छतरपुर। विवादों और सुर्खियों में चल रहे बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को जान से मारने की धमकी दी गई है। धीरेंद्र शास्त्री के चचेरे भाई लोकेश गर्ग के फोन पर दी गई धमकी के बाद छतरपुर के बमीठा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फोन पर धमकी देने वाले शख्स ने अपना नाम अमर सिंह बताया है। उसने फोन करके धीरेंद्र शास्त्री की तेरहवीं की तैयारी कर लेने को कहा। एफआईआर में बताया गया है कि लोकेश गर्ग पिता निवासी ग्राम गढ़ा थाना बमीठा ने लिखित में शिकायत दी है। लोकेश ने कहा है कि उसके मोबाइल पर कॉल करके धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को जान से मारने की धमकी दी गई। उसका कहना है कि 22 जनवरी को रात 9:15 बजे कॉल आया। इसे रिसीव करने पर फोन करने वाले ने धीरेंद्र शास्त्री से बात कराने को कहा। जब लोकेश ने कहा कि वह बात नहीं करा सकता है तो उसने धीरेंद्र शास्त्री की तेरहवीं की तैयारी कर लेने को कहा। लोकेश ने कहा है कि फोन करने वाले शख्स ने फोन काटने से पहले अपना नाम अमर सिंह बताया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 506 और 507 के तहत केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बागेश्वर धाम सरकार नाम से मशहूर धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश के छतरपुर के रहने वाले हैं। करीब एक सप्ताह से छत्तीसगढ़ के रायपुर में कथा कर रहे धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं।

● **लोकेश ने कहा है कि उसके मोबाइल पर कॉल करके धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को जान से मारने की धमकी दी गई। उसका कहना है कि 22 जनवरी को रात 9:15 बजे कॉल आया।**

रिजिजू बोले, जजों को चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता, हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं !

नई दिल्ली- न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र और न्यायपालिका के बीच चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि न्यायाधीश चुनाव नहीं लड़ते हैं या सार्वजनिक जांच का सामना नहीं करते हैं। दिल्ली बार एसोसिएशन के एक कार्यक्रम को हिंदी में संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा, ÷हर नागरिक सरकार से सवाल पूछता है और सवाल पूछा जाना चाहिए। जनता चुनी हुई सरकार से सवाल नहीं करेगी तो किससे सवाल करेगी। .. हम सवालों से दूर नहीं जाते, हम इसका सामना करते हैं, क्योंकि हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं। रिजिजू ने कहा कि उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के प्रधान मुख्य न्यायाधीश और हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। वहां भी वह सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि आज वह कानून मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन कल अगर लोग उनकी सरकार को नहीं चुनेंगे, तो वे विपक्ष बैठेंगे और सत्तारूढ़ सरकार से सवाल करेंगे। कानून मंत्री ने कहा, लेकिन, जब कोई जज बनता है, तो उसे चुनाव का सामना नहीं

करना पड़ता। जजों के लिए कोई सार्वजनिक जांच भी नहीं होती। इसलिए मैं कहता हूं कि लोग जज नहीं चुनते हैं और इसलिए जनता जजों को नहीं बदल सकती। लेकिन लोग आपको देख रहे हैं। आपका निर्णय और न्यायाधीशों का काम और जिस तरह से न्यायाधीश न्याय करते हैं, लोग इसे देख रहे हैं और आकलन करते हैं.. वे राय बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक मुख्य न्यायाधीश ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के साथ दुर्व्यवहार के संबंध में उनकी मदद मांगी थी। उन्होंने कहा, इसे कैसे नियंत्रित किया जाए? जज सोशल मीडिया पर इसका जवाब नहीं दे सकते, इसलिए सरकार से सख्त कदम उठाने का अनुरोध किया गया है..मैंने इस पर ध्यान दिया है। रिजिजू न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली की आलोचना में मुखर रहे हैं, और यहां तक कि इसे संविधान से अलग भी करार दिया है। केंद्र सरकार जजों की नियुक्ति में अपनी भूमिका चाहती है। कानून मंत्री ने रविवार को एक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की टिप्पणियों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों को नियुक्त करने का फैसला करके संविधान का अपहरण किया है और कहा कि वह पूर्व न्यायाधीश के दृष्टिकोण को समझदार मानते हैं। कानून मंत्री ने कहा कि अधिकांश लोगों के ऐसे ही विचार हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, न्यायमूर्ति आर.एस. सोढ़ी (सेवानिवृत्त) के साक्षात्कार को साझा करते हुए रिजिजू ने ट्वीट किया एक न्यायाधीश की आवाज .. भारतीय लोकतंत्र की असली सुंदरता है- यह सफलता है। लोग अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से खुद पर शासन करते हैं। चुने हुए प्रतिनिधि लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं और कानून बनाते हैं।

स्पाइसजेट विमान में एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी का मामला

आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

नई दिल्ली। बदसलूकी के चलते विमान से उतारे गए यात्री को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया है। यात्री पर हैदराबाद जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में क्रू के साथ बदसलूकी करने के आरोप हैं। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जहां एक उम्रदराज शख्स महिला कर्मी के साथ बहस करता नजर आ रहा है। भाषा के अनुसार, यह घटना दिल्ली से हैदराबाद की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की उड़ान एसजी-8133 में हुई। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, दिल्ली में विमान में सवार एक यात्री ने अनियंत्रित और अनुचित व्यवहार किया। यात्री ने चालक दल के सदस्यों को परेशान किया और उनके कार्य में बाधा उत्पन्न की। बयान में कहा गया, चालक दल ने पीआईसी (पायलट इन कमांड) और सुरक्षा कर्मचारियों को घटना के बारे सूचित किया। उक्त यात्री और उसके साथ यात्रा कर रहे एक सहयात्री को उतारकर सुरक्षा टीम को सौंप दिया गया।

एयरहोस्टेस के साथ बहस कर रहे शख्स की पहचान अबसार आलम के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि आरोपी यात्री को स्पाइसजेट सिक्योरिटी ऑफिसर की शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिल्ली, यूपी, पंजाब और हरियाणा में बारिश का अनुमान, इन राज्यों में होगी बर्फबारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और शीतलहर से लोगों को राहत मिलना अभी जारी है। हालांकि, मंगलवार से मौसम बदलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का अनुमान जताया है। वहीं, कुछ राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है।

बारिश का भी अनुमान

इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की वर्षा हो सकती है। 24 से 26 जनवरी के दौरान गरज के साथ हल्की से मध्यम स्तर की बरसात हो सकती है।

उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी

मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में मंगलवार और बुधवार को बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड में भी 25 और 26 जनवरी को भारी वर्षा या बर्फबारी देखी जाएगी। पहाड़ी इलाकों में भारी वर्षा और बर्फबारी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर कुछ इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी भी दी गई है।

उधर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से यातायात प्रभावित हुआ है। बर्फबारी के कारण राज्य में सैकड़ों सड़कें बंद हैं। रविवार को पलचान में लंबा जाम लग गया। बर्फबारी के चलते पलचान से नेहरूकुंड तक चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

जोशीमठ में ठंड से बचने के इंतजाम करने के निर्देश

उत्तराखंड के जोशीमठ में मंगलवार और बुधवार को बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। चमोली के जिला अधिकारी हिमांशु खुराना ने बताया कि रिलीफ कैंप में नोडल ऑफिसर को कंबल, हीटर और जेनरेटर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

चुनावी जीत-हार में महिला मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण- मोदी सरकार ने बनाई खास रणनीति

नई दिल्ली। 2023 में होने वाले देश के सभी नौ राज्यों के विधान सभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए जोर-शोर से प्रयास कर रही भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार ने आधी आबादी यानी महिलाओं को लुभाने के लिए खास रणनीति बनाई है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका लगातार प्रभावशाली होती जा रही है। हाल के वर्षों में यह देखा जा रहा है कि महिला मतदाताएं बढ़-चढ़कर न केवल घर से बाहर निकल कर वोट कर रही हैं बल्कि वे अपनी पसंद और नापसंद के हिसाब से घर के पुरूष सदस्यों से अलग हटकर भी वोट कर रही है। यही वजह है कि विधान सभा चुनाव में महिला मतदाताओं के साथ जुड़ने पर मोदी सरकार और भाजपा खास ध्यान दे रही है।

आईएएनएस को मिली जानकारी के अनुसार, महिला मतदाताओं तक उनसे जुड़ी उपलब्धियों को पहुंचाने के लिए भाजपा ने उनसे जुड़ी योजनाओं की उपलब्धियों और तमाम आंकड़ों को इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि मोदी सरकार ने अपनी सरकार के उन तमाम मंत्रालयों से उनकी कामकाज और उपलब्धियों का पूरा आंकड़ा मांगा है, जिन्होंने महिलाओं के विकास, उत्थान और कल्याण के लिए कुछ भी काम किया हो।

सरकार की तरफ से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा सभी मंत्रालयों से यह ब्यौरा मांगा गया है।

सरकार की मंशा इन सभी उपलब्धियों को एकत्र कर इसकी जानकारी महिला मतदाताओं तक पहुंचाने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उनकी सरकार के तमाम मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर तमाम भाजपा नेता चुनावी जनसभाओं में इन आंकड़ों के जरिए महिला मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में लुभाने का प्रयास करते नजर आएंगे।

आपको बता दें कि, चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 27 फरवरी को जिन दो राज्यों- मेघालय और नागालैंड में विधान सभा का चुनाव होना है ,उन दोनों ही राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा है। मेघालय में महिला मतदाताओं की संख्या 50.54 प्रतिशत और नागालैंड में 50.09 प्रतिशत है। वहीं, 16 फरवरी को जिस पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में मतदान होना है उस राज्य में भी महिला मतदाताओं की संख्या 49.72 प्रतिशत है।

इस वर्ष देश के जिन 6 अन्य राज्यों - मध्य प्रदेश , छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होना है वहां भी सरकार बनाने में महिला मतदाताओं की भूमिका काफी अहम होने वाली है। मिजोरम में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से भी ज्यादा है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या 51.45 प्रतिशत है।

अन्य राज्यों की बात करें तो मध्य प्रदेश में महिला मतदाताओं की संख्या 48.2 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 49.99 प्रतिशत, राजस्थान में 47.83 प्रतिशत, कर्नाटक में 49.5 प्रतिशत और तेलंगाना में 49.76 प्रतिशत है।

यही वजह है कि तमाम राजनीतिक दल महिलाओं को लुभाने की कोशिश में जुट गए हैं और आक्रामक रणनीति के सहारे विरोधी दलों को मात देती आ रही भाजपा ने इस फ्रंट पर भी बढ़त बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

फिल्म थुनिवु के स्टाइल में बैंक लूटने की कोशिश युवक को लोगों ने पकड़ा

चेन्नई । तमिलनाडु के पूचिनायिकनपेटी के 25 वर्षीय युवक खलील रहमान को दिनदहाड़े एक बैंक लूटने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। युवक ने अजित कुमार-अभिनीत फिल्म थुनिवु के स्टाइल में जिले में इंडियन ओवरसीज बैंक थडिकोम्बु शाखा को लूटने की कोशिश की। युवक ने बैंक में घुसकर बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। बैंक को लूटने के लिए मिर्च पाउडर काली मिर्च स्प्रे और चाकू का इस्तेमाल किया। उसने तीन बैंक कर्मचारियों को प्लास्टिक के टैग से बांध दिया। हालांकि कर्मचारियों में से एक ने खुद को छुड़कर स्थानीय लोगों को सतर्क कर दिया। इसके बाद आसपास के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और खलील को दबोच लिया जिसे बाद में पुलिस को सौंप दिया गया। युवक ने बताया कि वह जीवन से उदास था और फिल्म थुनिवु से प्रेरणा लेकर बैंक लूटने की कोशिश की जो एक बैंक डकैती को चित्रित करती है। डिंडीगुल पश्चिम पुलिस ने खलील रहमान और उसके पूर्ववर्तियों पर जांच शुरू कर दी है कि क्या वह पहले इसतहर के किसी कृत्य में शामिल था। पुलिस बैंक डकैती में अन्य लोगों को भी शामिल करने की साजिश की जांच कर रही है।

उड़ान में पेशाब के एक और मामले में एयर इंडिया पर लगा 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने पिछले माह एयर इंडिया की पेरिस-दिल्ली उड़ान में यात्रियों के खराब बर्ताव की घटना के बारे में जानकारी नहीं देने पर एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने कहा कि गत छह दिसंबर को एयर इंडिया की पेरिस-नई दिल्ली उड़ान में यात्रियों के खराब आचरण की दो घटनाएं प्रकाश में आई हैं। लेकिन समय पर इन घटनाओं की जानकारी नहीं देने के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उड़ान में सवार एक यात्री नशे की स्थिति में शौचालय में धूम्रपान करते हुए पाया गया था। उसी उड़ान में एक अन्य यात्री ने बगल की खाली सीट पर रखे कंबल पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया था। उसी समय बगल की सीट पर बैठी महिला यात्री शौचालय गई हुई थी। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया पर एक हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार डीजीसीए ने जुर्माना लगाया है। पिछले हफ्ते भी विमानन नियामक ने एयरलाइन की न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान के दौरान एक यात्री के महिला सहयात्री पर नशे की हालत में पेशाब करने की घटना में उसपर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

1 फरवरी को आम बजट से पहले लगातार चार दिन बैंकों में रहेगा ताला

मुंबई । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को आम बजट पेश करेंगी है। बजट से ठीक पहले बैंक लगातार चार दिनों के लिए बंद रहने वाले हैं। बैंक यूनियन ने 30 और 31 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल का आवाहन किया है। बजट से ठीक पहले बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जा रहे हैं। इसके ठीक पहले शनिवार और रविवार के कारण बैंकों की छुट्टी होगी यानी बजट से पहले बैंक में चार दिन लगातार ताला रहेगा हैं। चार दिन बैंक बंद रहने से बैंक खाताधारकों को मुश्किल हो सकती है। बैंक हड़ताल और दो दिन की साप्ताहिक छुट्टी के कारण बैंक से कैश निकालने जमा करने से लेकर चेक क्लियरेंस और ड्राफ्ट मेकिंग में परेशानी हो सकती है। साथ ही एटीएम से कैश निकालने में भी आपको परेशानी हो सकती है। हालांकि बैंकों का कहना है कि वहां इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के कारण बैंक बंद रहने वाले हैं। 27 जनवरी को बैंकों में सामान्य तौर पर काम होता रहेगा। 28 जनवरी को महीने का चौथा शनिवार है जिसके कारण बैंकों की छुट्टी रहेगी। 29 जनवरी को रविवार के कारण बैंक बंद रहने वाले हैं। 30 जनवरी और 31 जनवरी को बैंक यूनियन ने हड़ताल का आवाहन किया है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन ने सभी बैंक यूनियनों के दो दिनों से बैंक हड़ताल का आवाहन किया है। अपनी मांगों को सरकार पर दवाब बनाने के लिए बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जा रहे हैं। इसके बाद बैंकिंग सेवाएं बाधित रहेंगी।

गणतंत्र दिवस 2023 से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, चप्पे चप्पे पर सुरक्षा

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में तोड़फोड़ रोधी जांच, सत्यापन अभियान और गश्त तेज कर दी है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दल द्वारा श्वान दस्ते के साथ बाजारों, अधिक भीड़ वाले इलाकों और अन्य प्रमुख स्थानों पर तोड़फोड़ रोधी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस होटलों और लॉज आदि की जांच कर रही है और साथ ही वहां के कर्मचारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करने के लिए कह रही है। पुलिस ने बताया कि सभी सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे हैं और उन्हें गणतंत्र दिवस के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया पर भी लोगों को जागरूक कर रही है और लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या वस्तु आदि के बारे में सतर्क करने के लिए कह रही है। पुलिस ने बताया कि किरायेदारों और नौकरों का सत्यापन भी किया जा रहा है। होटलों, अतिथि गृहों और 'धर्मशालाओं' में औचक निरीक्षण किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कई जिलों ने आतंकवाद विरोधी उपायों के लिए अपनी तैयारियों की जांच के लिए औचक जांच (मॉक ड्रिल) भी की है। अधिकारियों के अनुसार, अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए आतंकवाद रोधी उपाय तेज कर दिए गए हैं क्योंकि दिल्ली हमेशा आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों के निशाने पर रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस साल, सीमाई इलाकों में अतिरिक्त चौकियों की स्थापना कर तैनाती की गई है ताकि अवांछित तत्व राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश न कर सकें।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके तीव्रता 5.4 मापी गई

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। भूकंप के साथ ही लोग अपने घर से बाहर आ गए। रिएक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि नेपाल में मंगलवार को दोपहर 2:28 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। दिल्ली एनसीआर के अलावा उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड के भी कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। देहरादून पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके पहले 5 जनवरी को भी दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अपने कार्यालय से भी लोग आनन-फानन में बाहर निकलने लगे। अब तक इस बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। हाल के दिनों में दिल्ली एनसीआर में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

शिर्डी में वीआईपी दर्शन के नाम पर हो रही लूट पर नकेल कसने की कवायद

शिर्डी । शिर्डी लाखों भक्तों के लिए पूजा का स्थान है और हर दिन हजारों भक्त साईं के चरणों में अपना सिर झुकाते हैं। भक्त साईं बाबा के सम्मान में लाखों रुपये सोना-चांदी और कई अन्य कीमती सामान भी दान करते हैं। लेकिन दर्शन के नाम पर यहां अक्सर भक्तों को ठगा जाता है। इसी पृष्ठभूमि में मंदिर प्रशासन ने नेताओं के पीए या एजेंट के जरिए आने वाले श्रद्धालुओं पर दबाव बनाने का अहम फैसला लिया है. दरअसल कई बार यह बात सामने आई कि वीआईपी दर्शन के नाम पर मंदिर क्षेत्र में एक गिरोह काम कर रहा है। नेता या जनप्रतिनिधि हमेशा शिरडी आते हैं। इसलिए प्रशासन के संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ लोग जनप्रतिनिधियों के नाम पर पीए बनकर श्रद्धालुओं को दर्शन करा रहे हैं. अब शिर्डी संस्थान ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है और जो लोग जनप्रतिनिधियों के पीए या एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं इससे उन पर दबाव पड़ेगा. संस्थान ने शिरडी आने वाले भक्तों को साईं बाबा के वीआईपी दर्शन कराने वाले फर्जी पीए और एजेंटों को सबक सिखाया है। मंदिर क्षेत्र में पूर्व और वर्तमान विधायक सांसद और ट्रस्टियों की एंट्री नहीं होगी।

महाराष्ट्र के साथ जारी सीमा विवाद: सुप्रीम कोर्ट में परैवी करने वाले वकीलों की टीम को 59.9 लाख रुपये प्रति दिन दर से भुतगान करेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र के साथ जारी सीमा विवाद से जुड़े मुकदमे में पक्ष रखने वाले वरिष्ठ वकीलों की टीम को 59.9 लाख रुपये प्रति दिन की दर से भुगतान करने का फैसला किया है। इस टीम में वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी भी शामिल हैं। विधि विभाग की ओर से जारी एक आदेश में बताया गया हैं कि कर्नाटक सरकार ने सीमा विवाद को लेकर राज्य के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर मूल मुकदमे (संख्या 4/2004) में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली वकीलों टीम के लिए नियम और शर्तों के साथ-साथ पेशेवर शुल्क भी तय किया है। गत 18 जनवरी को जारी आदेश के मुताबिक रोहतगी को शीर्ष अदालत के समक्ष पैरवी करने के लिए प्रतिदिन 22 लाख रुपये और बैठकों व अन्य कार्यों के लिए रोजाना 5.5 लाख का भुगतान होगा।

मामले में कर्नाटक सरकार की पैरवी कर रहे एक अन्य वकील श्याम दीवान को सर्वोच्च अदालत में कर्नाटक सरकार का पक्ष रखने के लिए प्रतिदिन छह लाख रुपये मुकदमे की तैयारियों व अन्य कार्यों के लिए प्रतिदिन डेढ़ लाख रुपये और यात्राओं के लिए प्रतिदिन दस लाख रुपये की दर से भुगतान किया जाएगा। आदेश के अनुसार कर्नाटक के महाधिवक्ता को सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए प्रतिदिन तीन लाख रुपये मुकदमे की तैयारियों व अन्य कार्यों के लिए प्रतिदिन 1.25 लाख रुपये और बाहर के दौरों के लिए प्रतिदिन दो लाख रुपये के भुगतान के साथ होटल व बिजनेस श्रेणी के हवाई टिकट का खर्च दिया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने महाराष्ट्र सीमा विवाद में राज्य सरकार की पैरवी के लिए एक अन्य वरिष्ठ वकील एवं प्रदेश के पूर्व महाधिवक्ता उदय होल्ला को भी नियुक्त किया है।

आदेश के मुताबिक होल्ला को शीर्ष अदालत में कर्नाटक सरकार का पक्ष रखने के लिए प्रतिदिन दो लाख रुपये मुकदमे की तैयारियों व अन्य कार्यों के लिए प्रतिदिन 75 हजार रुपये और बाहर की यात्राओं के लिए प्रतिदिन डेढ़ लाख रुपये के भुगतान के साथ होटल व बिजनेस श्रेणी के हवाई टिकट का खर्च दिया जाएगा। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद पिछले साल के आखिर में गहरा गया था जब दोनों राज्यों के वाहनों को निशाना बनाया गया नेताओं द्वारा बयानबाजी भी तेज हो गई और कन्नड तथा मराठी कार्यकर्ताओं को बेलगावी में तनावपूर्ण माहौल के बीच पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद वर्ष 1957 से ही सीमा विवाद जारी है।

लोकसभा चुनाव से पहले कुछ हिस्सों में दौड़ सकती है बुलेट ट्रेन

अहमदाबाद। अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए गुजरात में 25 किमी से अधिक पुल का निर्माण पूरा हो गया है। इसमें वड़ोदरा के निकट 5.7 किमी निरंतर वायाडक्ट और विभिन्न अन्य स्थानों पर 19.58 किमी शामिल है। बुलेट ट्रेन पर काम तेजी से चल रहा है। कुछ हिस्सों में साल 2024 से पहले बुलेट ट्रेन चलने की उम्मीद है। हालांकि पूरी बुलेट ट्रेन परियोजना वर्ष 2027 में पूरी होने की संभावना है। वायडक्ट एक ऊंचा कंक्रीट पुल जैसी संरचना है जो वास्तविक ट्रैक और सिस्टम को वहन करती है। फिलहाल गुजरात के आठ जिलों और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरने वाली लाइन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

क्या राहुल गांधी को लगता है कि कांग्रेस को कभी दो-तिहाई बहुमत मिलेगा: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू एवं कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल करने के लिए कांग्रेस को दो-तिहाई बहुमत हासिल करना होगा और क्या उन्हें लगता है कि कांग्रेस ऐसा कर पाएगी? पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 अब इतिहास है तथा इस पूर्ववर्ती राज्य के लोग उस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं जो उन्हें कई सालों तक नहीं मिला था। एक सवाल के जवाब में प्रसाद ने कहा, ''अनुच्छेद 370 अतीत है। वह संविधान द्वारा हो गया। हम बहुत विनम्रता से राहुल गांधी को चुनौती देते हैं।

370 एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत निरस्त हुआ है। उसके लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए। तो राहुल गांधी जी क्या आपको लगता है कि कभी दो तिहाई बहुमत आपको मिलेगा?'' ज्ञात हो कि कांग्रेस की ''भारत जोड़ो यात्रा'' के जम्मू पहुंचने पर राहुल गांधी ने सोमवार को कहा था कि राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग जम्मू एवं कश्मीर का सबसे बड़ा मुद्दा है और कांग्रेस इसे बहाल करने के लिए ''अपनी पूरी ताकत'' लगा देगी। प्रसाद ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी को खुलकर बात करने की चुनौती दी और सवाल किया कि वह ''एडहॉक कमेंट'' (तदर्थ टिप्पणी) क्यों करते हैं? उन्होंने कहा, ''आज जो लोग खड़े हैं, उनसे भी मैं कहता हूं। अनुच्छेद 370 अब इतिहास है। जम्मू एवं कश्मीर के लोग उस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं जो उन्हें कई सालों तक नहीं मिल सका था।''

मालूम हो कि केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में जम्मू एंव कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। कश्मीर में बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों पर राहुल गांधी द्वारा सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा, ''अतार्किक और अप्रासंगिक सवाल पूछने के बजाय, राहुल गांधी को तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करनी चाहिए। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू एवं कश्मीर में जो समृद्धि सामने आई है, वह अद्वितीय है।'' प्रसाद ने सर्जिकल स्ट्राइक पर दिग्विजय सिंह की विवादास्पद टिप्पणी को अपनी निजी राय बताकर खारिज करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना की और सवाल किया कि सशस्त्र बलों के प्रति अपने सम्मान की सार्वजनिक घोषणा करने में उन्हें इतना समय क्यों लगा? उन्होंने कांग्रेस से आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी अपना रुख स्पष्ट करने को भी कहा।

इस बार मिस्र के राष्ट्रपति बनेंगे गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी को चीफ गेस्ट बनाया गया है। 26 जनवरी की परेड में मिस्र की सेना का 12 सदस्यीय बैंड भी हिस्सा लेगा। भारत दौरे से पहले मिस्र में भारत के राजदूत ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का खूब जिक्र किया है। मिस्र में भारत के राजदूत अजीत गुंसे ने अपने बयान में बताया कि मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति गमाल अब्देल-नासर और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच असाधारण दोस्ती ने ही 1955 में दोनों देशों के बीच फ्रेंडशिप ट्रीटी और गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर अल-सीसी गुरुवार को गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेंगे। यह पहली बार है जब मिस्र के राष्ट्रपति भारत के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ एक बड़ा सैन्य दल भी होगा जो गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगा।

मिस्र में भारत के राजदूत अजीत गुंसे ने अपने बयान में कहा कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सिसी का भारत दौरा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है. इस दौरे से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक नई सुबह की शुरुआत होगी। बयान में यह भी कहा गया है कि अल-सीसी भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से भी मिलेंगे। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रिश्तों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय राजदूत ने कहा दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से दो के रूप में भारत और मिस्र कई शताब्दियों तक घनिष्ठ मित्र रहे हैं।

27 जनवरी के पीएम मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के लिए मिले 20 लाख से अधिक प्रश्न

-छात्र शिक्षक अभिभावक और मनोचिकित्सक शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा करने वाले हैं। लाखों छात्र व अन्य लोग इस दौरान प्रधानमंत्री से प्रश्न पूछना चाहते हैं। अभी तक शिक्षा मंत्रालय को प्रधानमंत्री से पूछे जाने के लिए 20 लाख से अधिक प्रश्न मिल चुके हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इस वर्ष 38 लाख से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। वहीं बीते वर्ष 15.5 लाख छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया था जबकि वर्ष 2018 में यह संख्या केवल 22 हजार के आसपास थी।

प्रधानमंत्री व छात्रों के बीच संवाद कार्यक्रम दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होगा। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में प्रत्येक राज्य को प्रतिनिधित्व होगा है हर राज्य के छात्र प्रधानमंत्री के साथ इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होगा। वहीं एनसीईआरटी प्रधानमंत्री के लिए आए 20 लाख प्रश्नों का संकलन कर रहा है। इनमें से कुछ प्रश्न प्रधानमंत्री के समक्ष रखे जाएंगे और वह इन प्रश्नों का उत्तर देने वाले हैं। प्रधानमंत्री से प्रश्न पूछने वालों में लाखों छात्र शिक्षक अभिभावक मनोचिकित्सक शिक्षाविद् व अन्य लोग शामिल हैं। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री द्वारा लिखी गई पुस्तक एग्जाम वारियर्स का भारत की सभी प्रमुख 13 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में इस वर्ष प्रत्येक राज्य का प्रतिनिधित्व होगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि परीक्षा पर चर्चा के लिए पंजीकरण कराने वाले छात्रों में से 16 लाख छात्र विभिन्न राज्यों के स्टेट शिक्षा बोर्ड से हैं। प्रत्येक राज्य से छात्रों को प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम में शामिल करने के लिए दिल्ली बुलाया गया है। देशभर के अलग-अलग राज्यों से कुल 102 छात्र दिल्ली पहुंच रहे हैं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कुल लगभग ढाई हजार छात्र शामिल होने वाले हैं।

इसमें से लगभग 200 छात्र 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के अतिथि भी बनाए गए हैं। यह छात्र कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किए गए हैं। शिक्षा मंत्री के मुताबिक दूसरे राज्यों से आ रहे लगभग सभी छात्र 25 जनवरी तक दिल्ली पहुंच जाएंगे।

एके एंटोनी के बेटे ने गुजरात दंगों पर बनी बीबीसी की विवादित डॉक्ट्यूमेंट्री का विरोध किया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के वृत्तचित्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटोनी के बेटे अनिल एंटोनी का समर्थन मिला है। अनिल एंटोनी ने कहा कि भारतीय संस्थानों की राय के मुकाबले ब्रिटिश प्रसारक के विचार को महत्व देने से देश की ÷संप्रभुता÷ प्रभावित होगी। अनिल एंटोनी हाल तक कांग्रेस की केरल इकाई के डिजिटल संचार का जिम्मा संभालते थे।

उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रदेश कांग्रेस की विभिन्न शाखाओं ने घोषणा की है कि वे 2002 में गुजरात में हुए दंगों पर विवादित वृत्तचित्र का प्रदर्शन करेंगी। दंगों के वक्त मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि भाजपा के साथ तमाम मतभेदों के बावजूद बीबीसी और ब्रिटेन के पूर्व विदेश मंत्री जैक स्ट्रॉ के विचारों को भारतीय संस्थानों के विचारों से अधिक महत्व देना खतरनाक चलन है और इससे देश की संप्रभुता प्रभावित होगी। अनिल एंटोनी ने ट्वीट में यह भी कहा है कि बीबीसी सरकार प्रायोजित चैनल है और भारत के प्रति कथित पूर्वाग्रह का उसका इतिहास रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि जैक स्ट्रॉ ने ही 'इराक युद्ध की योजना' बनाई थी। वर्ष 2003 में अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने इराक पर हमला कर दिया था। प्रदेश कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अधिवक्ता शिहाबुद्दीन कर्यात ने एक बयान में कहा कि देश में वृत्तचित्र पर अघोषित प्रतिबंध के मद्देनजर गणतंत्र दिवस पर पार्टी के जिला मुख्यालयों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा। केंद्र सरकार ने वृत्तचित्र का लिंक साझा करने वाले यूट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट ब्लॉक कर दिए हैं।

तमिलनाडु में मंत्री को आया गुस्सा, बरसाने लगे पत्थर, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के मंत्री एसएम नसर को कुर्सी मिलने में कथित देरी को लेकर पार्टी के एक कार्यकर्ता पर पत्थर फेंकते हुए देखा गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर कई बार शेयर किया जा चुका है। घटना तिरुवल्लुर जिले में मंत्री के निरीक्षण के दौरान हुई। कैमरे ने मंत्री को कार्यकर्ता पर गुस्सा करते हुए और एक पत्थर फेंकते हुए कैद कर लिया। अभी यह पता नहीं चला है कि इस घटना में कोई घायल हुआ है या नहीं।

दुग्ध और डेयरी विकास मंत्री एसएम नसर उस स्थान का निरीक्षण कर रहे थे, जहां तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के कल एक कार्यक्रम में भाग लेने की उम्मीद है। ये कार्यक्रम राज्य में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों की याद में होगा। पहली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सरकार द्वारा मद्रास प्रेसीडेंसी के स्कूलों में हिंदी के अनिवार्य शिक्षण की शुरुआत के विरोध में, 1937 में पहला हिंदी-विरोधी आंदोलन शुरू किया गया था। इस कदम का तुरंत ई वी रामासामी (पेरियार) और विपक्षी जस्टिस पार्टी ने विरोध किया। यह आंदोलन तीन साल तक चला जिसमें तमिलनाडु, पूर्व में मद्रास राज्य में उपवास, सम्मेलन, मार्च, पिकेटिंग और विरोध शामिल थे।

बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर दरारों से यात्रा को लेकर चिंता बढ़ी

गोपेश्वर। (एजेंसी)। जोशीमठ में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के कई जगह पर धंसने और दरारें पड़ने से कुछ महीनों बाद शुरू होने वाली बदरीनाथ यात्रा को लेकर चिंता बढ़ गयी है। जोशीमठ नगर में टीसीपी क्षेत्र से लेकर मारवाड़ी पुल तक राष्ट्रीय राजमार्ग काफी पहले से भूधंसाव की चपेट में था, लेकिन हाल में इसके बढ़ने के बाद अब यह और ज्यादा स्थानों पर धंस रहा है। जोशीमठ निवासी दिनेश लाल ने बताया कि दो और तीन जनवरी को जब उनके घर दरारें आने से क्षतिग्रस्त हुए, उसी दिन राष्ट्रीय राजमार्ग में भी सबसे ज्यादा भूधंसाव हुआ था।

उन्होंने बताया, उसी दिन जेपी कॉलोनी के समीप भूधंसाव से सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया था। राजमार्ग का भूधंसाव बाइपास रोड पर सिंहधार वार्ड, नृसिंह मंदिर को जाने वाले मोटर मार्ग, गोरांग तथा मारवाड़ी के इलाकों में साफ देखा जा सकता है। असुरक्षित घोषित होने के बाद ध्वस्त किए जा रहे होटल माउंटव्यू और मलारी इन के पास से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर दरारें हालात खुद बयां कर रही हैं। जोशीमठ से राजमार्ग बदरीनाथ धाम होते हुए माणा दर्रे तक जाता है जबकि जोशीमठ से पन्द्रह किलोमीटर की दूरी पर गोविन्द घाट कस्बे से एक सड़क श्री हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी के लिए मुड़ जाती है। हर साल अप्रैल-मई में शुरू होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान राजमार्ग पर यातायात का काफी दवाब रहता है।

राजमार्ग पर भूधंसाव और दरारों से हुई क्षति के बारे में चमोली के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इसका आकलन कर रहा है जिसकी निगरानी उत्तराखंड सरकार के स्तर पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी भूधंसाव से सड़क क्षतिग्रस्त अवश्य हैं लेकिन इस पर आवागमन पूर्ववत चल रहा है। उधर, बीआरओ सूत्रों ने बताया कि राजमार्ग पर सात-आठ स्थानों पर धंसाव है जिनमें से कुछ स्थान पहले से ही धंस रहे हैं। उन्होंने बताया कि सड़क के सुधार के लिए प्रयास जारी है और इस मसले पर बीआरओ के अधिकारियों और राज्य सरकार के बीच बैठकें चल रही हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार भूधंसाव के विभिन्न पहलुओं से जांच में लगे तकनीकी संस्थानों की रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है जिसके बाद ही इस बारे में कोई निर्णय लिया जाएगा। उनके मुताबिक निर्माणाधीन हेलंग--मारवाडी बाइपास बदरीनाथ यात्रा के लिए वैकल्पिक रास्ता हो सकता था, लेकिन यात्रा शुरू होने से पहले इसके पूरा होने की संभावना नहीं दिखाई देती।

जोशीमठ आपदा राहत कार्यों की जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने बताया कि जोशीमठ नगर क्षेत्र में भूधंसाव के कारण 863 भवनों में दरारें मिली हैं जिनमें से 181 भवन असुरक्षित क्षेत्र में है। मिश्र ने बताया कि जोशीमठ में आपदा प्रभावित 278 परिवारों के 933 सदस्यों को सुरक्षा के दृष्टिगत राहत शिविरों में पहुंचाया गया है जहां उन्हें भोजन, पेयजल, चिकित्सा इत्यादि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भूधंसाव वाले इलाकों में धरती के धंसने की रफ्तार की लगातार निगरानी की जा रही है जबकि दरार वाले भवनों के चिन्हीकरण का कार्य भी जारी है। उधर,जोशीमठ में असुरक्षित घोषित दो होटलों, लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन और तीन निजी भवनों को तोडे जाने का कार्य भी केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान की तकनीकी निगरानी में किया जा रहा है।

देहरादून में आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने बताया कि 310 प्रभावितों को सरकार की ओर से अंतरिम सहायता के रूप में 3.72 करोड रू की धनराशि वितरित की जा चुकी है। जोशीमठ के मारवाडी क्षेत्र में जेपी कॉलोनी में अज्ञात भूमिगत स्रोत से लगातार हो रहे पानी के रिसाव की मात्रा घटकर 182 लीटर प्र?ति मिनट हो गयी है। छह जनवरी को यह मात्रा 540 लीटर प्रति मिनट थी। उधर, जोशीमठ की ऊंची चोटियों पर हिमपात फिर

स्वीडन को नाटो सदस्यता के लिए अंकारा से उम्मीद नहीं करना चाहिए : एर्दोआन

इस्तांबुल । तुर्कि के राष्ट्रपति ने कहा कि इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता और कुर्द समर्थक समूहों द्वारा सप्ताहांत के विरोध प्रदर्शन के बाद स्वीडन को नाटो सदस्यता के लिए अंकारा के समर्थन की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने रासमुस पलुदन के कुरान जलाने संबंधी विरोध की निंदा कर कहा कि यह सभी का अपमान है खासकर मुसलमानों का। उन्होंने स्टॉकहोम में तुर्कि के दूतावास के बाहर प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए स्वीडिश अधिकारियों की भी आलोचना की। एर्दोआन ने कुर्द-समर्थक विरोध के लिए भी स्वीडन की आलोचना की जहां प्रदर्शनकारियों ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके सहित विभिन्न कुर्द समूहों के झंडे लहराए। इस संगठन ने तुर्कि के खिलाफ दशकों से विद्रोह छेड़ रखा है। पीकेके को तुर्किये यूरोपीय संघ और अमेरिका में एक आतंकवादी समूह माना जाता है लेकिन स्वीडन में इसके प्रतीकों पर प्रतिबंध नहीं है। एर्दोआन ने कहा तब आप आतंकी संगठनों को बेखौफ चलने देने वाले हैं और फिर नाटो में शामिल होने के लिए हमारे समर्थन की उम्मीद करेंगे? ऐसा नहीं होने जा रहा है। वह सैन्य गठजोड़ में शामिल होने के स्वीडन व फिनलैंड के प्रयासों के संदर्भ में कह रहे थे।

ओकलैंड गैस स्टेशन पर गोलीबारी एक व्यक्ति की मौत सात अन्य घायल

ओकलैंड । सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में ओकलैंड गैस स्टेशन पर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हुई तथा सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अधिकारी मैकआर्थर बोलेवार्ड पर घटनास्थल पर गए और उन्हें मालूम हुआ कि कई लोगों के बीच गोलीबारी हुई है। अधिकारियों को वालेरो गैस स्टेशन पर गोली के खोखे मिले लेकिन कोई पीड़ित नहीं मिला। हालांकि उन्हें पता चला कि कई पीड़ित इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में चले गए हैं। पुलिस ने बताया कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और अन्य घायलों की हालत स्थिर है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है अन्य जानकारियां जारी नहीं की गई है। यह घटना तब हुई है जब कुछ घंटे पहले हाफ मून बे के बाहरी इलाके में दो स्थानों पर एक बंदूकधारी ने सात लोगों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने संदिग्ध 67 वर्षीय चुनली झाओ को गिरफ्तार किया है। हाफ मून बे दक्षिण-पश्चिम ओकलैंड से 38 किलोमीटर दूर और सैन फ्रांसिस्को से करीब 48 किलोमीटर दक्षिण में है।

मिस्र की भयावह हालात : 500-500 ग्राम चावल खरीद रहे लोग!

-पाकिस्तान की तरह मुस्लिम देश मिस्र में भी महंगाई बेकाबू

काहिरा । पाकिस्तान की तरह मध्य-पूर्व की सबसे अधिक आबादी वाला मुस्लिम देश मिस्र वर्तमान में गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और महंगाई बेकाबू हो गई है। लोग खाने-पीने की चीजें आसानी से नहीं खरीद पा रहे और मूलभूत जरूरतों में भी कटौती करने को मजबूर हैं। नौकरीपेशा वर्ग का वेतन आधा हो गया है और लोग बैंकों में जमा अपने ही पैसे को नहीं निकाल पा रहे क्योंकि बैंकों ने निकासी को प्रतिबंधित कर दिया है। देश की मुद्रा पाउंड में भारी अवमूल्यन हुआ है जिससे महंगाई बेतहाशा बढ़ गई है। काहिरा के शौबरा में रहने वाले 40 साल के एकाउंटेंट अहमद हसन ने मीडिया को बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और महंगाई के बीच सबका पेट पालना मुश्किल हो रहा है। हसने कहना है कि जब हम खरीदारी करने जाते हैं तो तीन किलोग्राम चावल खरीदने के बजाय हम सिर्फ एक किलो या आधा किलो चावल ही खरीद पाते हैं। हम अपना खर्च कम करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हम क्या-क्या खरीदना छोड़ें। हमारे बच्चों को कई चीजों की बहुत जरूरत होती है। अक्टूबर 2022 के अंत से मिस्र की मुद्रा का लगभग एक तिहाई अवमूल्यन हुआ है और मुद्रास्फीति वर्तमान में 20 प्रतिशत से अधिक है। कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि स्थिति इससे भी बदतर है। उनका कहना है कि मुद्रास्फीति फिलहाल 101 प्रतिशत तक हो सकती है। कई विशेषज्ञ यह कह रहे हैं कि मिस्र मध्य-पूर्व के देश लेबनान की राह पर है।

दाने-दाने को मोहताज लेबनान

लेबनान साल 2019 से ही गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है जहां के लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। लेबनान में स्थिति इतनी खराब हो गई है कि नागरिक अपने ही पैसे के लिए बैंक लूट रहे हैं। देश में पैसे न होने की वजह से बैंकों ने निकासी प्रतिबंधित कर दी है। हताश लोग अपनी बचत बैंक से निकालने के लिए वहां लूट मचा रहे हैं। देश के बिजली स्टेशनों में ईंधन नहीं है जिस कारण देश के शहर अंधेरे में डूबे हैं। देश का मध्यम वर्ग भारी कर्ज में डूबा है। मीडिया के अनुसार कनाडा के साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर रॉबर्ट स्प्रिंगबॉर्ग ने लिखा कि लेबनान की आर्थिक साख जिस तरह दुनिया के सामने जमींदोज हुई अगर मिस्र के साथ ऐसा होता है तो स्थिति बेहद खतरनाक हो जाएगी।

रुस-यूक्रेन जंग : 24 फरवरी 2022 से 22 जनवरी तक 7068 नागरिक मारे गए

-संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी की रिपोर्ट

कीव । पिछले साल फरवरी से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच रखा है। रूस ने यूक्रेन की धरती पर भयंकर तबाही शुरु कर दी है। इस युद्ध के कारण यूक्रेन में कम से कम 18483 नागरिक हताहत हुए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी के मुताबिक यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में 24 फरवरी 2022 से 22 जनवरी तक कम से कम 7068 नागरिक मारे गए और कम से कम 11415 लोग घायल हुए। एजेंसी ने बताया कि वास्तविक आंकड़े काफी अधिक होने की आशंका है क्योंकि चल रही शत्रुता वाले स्थानों से जानकारी में देरी हो रही है। रोजाना बमबारी से यूक्रेनवासी बिना बिजली के रहने को मजबूर है रूस ने यूक्रेनी शहर के कई पावर स्टेशन सहित नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है जिससे देश में ब्लैकआउट की समस्या आ गई है। इस बुरे हाल में यूक्रेन की सहायता के लिए कई देश सामने आए हैं। अब खबर आई है कि स्वीडन यूक्रेन को ऊर्जा आपूर्ति बहाल करने के लिए उपकरण देगा। स्वीडिश सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाली ग्रिड ऑपरेटर को उन सामग्रियों को स्थानांतरित करने की अनुमति दी जिनका उपयोग यूक्रेन की बिजली व्यवस्था को बहाल करने के लिए किया जा सकता है। यूक्रेन में लगातार मिलती हार के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब जल्द ही 5 लाख नए सैनिकों को अपनी सेना में भर्ती करने वाले हैं। जिससे यह डर बन गया है कि रूस दोबारा यूक्रेन पर एक बड़ा हमला कर सकता है। वहीं जिनके तीन या तीन से अधिक बच्चे हैं उन्हें भी सेना में भर्ती किया जा सकता है क्योंकि अब उस नियम को हटा दिया गया है।

12000 कर्मचारियों की छंटनी पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने दी सफाई धीमी हो रही ग्रोथ बनी वजह

वाशिंगटन। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट में 12000 कर्मचारियों की छंटनी से हड़कंप मच गया। अलग-अलग विभागों में वर्षों तक काम करने वाले कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया। अब गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि आखिर कंपनी को यह कठोर निर्णय लेने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा? उन्होंने कहा कि कंपनी की ग्रोथ धीमी होने के चलते निर्णायक रूप से छंटनी करने का फैसला लेना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की एक आंतरिक बैठक में सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि उन्होंने कर्मचारियों की छंटनी का निर्णय कंपनी के फाउंडर्स और बोर्ड के साथ बातचीत करके लिया। उन्होंने बताया अगर हम स्पष्ट और निर्णायक रूप से जल्दी कार्रवाई नहीं करते हैं तब समस्या और बढ़ सकती थी इसलिए हमें यह फैसला लेना पड़ा। गूगल ने बयान में बताया था कि वह कंपनी से लगभग 12000 नौकरियों को खत्म कर देगा। हालांकि छंटनी को लेकर अटकलें महीनों से चली आ रही थीं लेकिन जब यह फैसला लिया गया तब कई कर्मचारियों को तगड़ा झटका लगा क्योंकि इससे कई विभागों के कर्मचारी प्रभावित हुए साथ ही कंपनी में वर्षों से काम करते आ रहे कर्मचारियों को भी छंटनी का शिकार होना पड़ा। वहीं गूगल के वरिष्ठ अधिकारी फ्रियोना सिस्कोनी ने कहा कि कंपनी में मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के चलते अधिकारियों को छंटनी जैसा कठोर फैसला लेना पड़ा।

इंडोनेशिया में भारी बारिश के बाद लकड़ी के एक तख्त के सहारे पानी से निकलते हुए लोग।

कंगाल पाकिस्तान को आईएफएम से झटका बिना शर्त पूरा किए कोई लोन नहीं मिलेगा

इस्लामाबाद । कंगाल हो चुके पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान में इस साल चुनाव होने हैं लेकिन आईएमएफ ने साफ कह दिया है कि बिना कठिन फैसले लिए वह पाकिस्तान को लोन नहीं देने जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान से कहा है कि वह बातचीत शुरू होने से पहले बजट और अन्य क्षेत्रों की पूरी जानकारी दे। पाकिस्तान को वर्तमान में 10 अरब डॉलर के विदेशी लोन की तत्काल जरूरत है ताकि देश को डिफॉल्ट होने से बचाया जा सके। पाकिस्तान को यह लोन बिना आईएमएफ प्रोग्राम को फिर से शुरू किए नहीं मिलने जा रहा है। वहीं शहबाज शरीफ कठिन फैसले लेने से बच रहे हैं ताकि उन्हें चुनाव में मतदाताओं के गुस्से का शिकार न होना पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक आईएमएफ और पाकिस्तान सरकार दोनों ही अभी भी लोन को लेकर चर्चा कर रहे हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने 7 मांगें रखी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने पाकिस्तान सरकार से कहा कि वह इन 7 मांगों को स्वीकार करे तभी उस आर्थिक सहायता की शुरुआत की जाएगी। आईएमएफ ने जिन मांगों को रखा है उसमें बिजली पर दी जा रही सब्सिडी खत्म करना गैस की कीमतों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुताबिक कर दे डॉलर को पूरी तरह से मुक्त कर दे आदि।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के बारे में नहीं है अमेरिका को कोई जानकारी

-भारत के 'लोकतांत्रिक मूल्यों' का समर्थन करते हुए पाकिस्तान को दिया करारा जवाब

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा है कि अमेरिका बीबीसी के वृत्तचित्र से अवगत नहीं है, लेकिन वह वाशिंगटन और नयी दिल्ली को जोड़ने वाले साझा ''लोकतांत्रिक मूल्यों'' से पूरी तरह से अवगत है। बीबीसी ने 'इंडिया = द मोदी क्वेश्चन' शीर्षक से दो भाग में एक नयी सीरीज तैयार की है। बीबीसी का दावा है कि यह सीरीज गुजरात में 2002 में हुए दंगों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करती है। गुजरात दंगे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका की नयी दिल्ली के साथ उन मूल्यों पर आधारित ''असाधारण गहरी साझेदारी'' है, जो अमेरिका और भारत दोनों लोकतंत्र के लिए समान हैं। जब पाकिस्तानी पत्रकार ने प्राइस से बीबीसी के वृत्तचित्र के बारे में फिर से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मुझे (2002 के गुजरात दंगों पर आधारित बीबीसी के) उस वृत्तचित्र के बारे में जानकारी नहीं है, जिसकी आप बात कर रहे हैं। मैं उन साझा मूल्यों से पूरी तरह परिचित हूं, जो अमेरिका और भारत को दो संपन्न एवं जीवंत लोकतंत्रों के रूप में जोड़ते हैं।

प्राइस ने कहा कि जब हम भारत में उठाए गए किसी कदम को लेकर चिंतित हुए है, तो हमने उन्हें उठाया है। हमारे पास ऐसा करने का एक अवसर था, लेकिन हम चाहते हैं कि सबसे पहले उन मूल्यों को मजबूत किया जाए जो हमारे रिश्ते के लिए अहम हैं। प्राइस ने कहा कि नयी दिल्ली के साथ वाशिंगटन की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने वाले कई तत्व हैं, जिनमें राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संबंध शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैं मोटे तौर पर कहूंगा कि ऐसे कई तत्व हैं, जो हमारे भारतीय भागीदारों के साथ वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करते हैं। (दोनों देशों के बीच) घनिष्ठ राजनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। अमेरिका और भारत के लोगों के बीच असाधारण रूप से गहरे संबंध हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो भागों वाले इस वृत्तचित्र को 'दुष्प्रचार का एक हिस्सा' करार देते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि इसमें पूर्वाग्रह, निष्पक्षता की कमी और औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से झलकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बीबीसी के इस वृत्तचित्र को लेकर पिछले सप्ताह कहा था कि यह एक ''गलत आख्यान'' को आगे बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार का एक हिस्सा है। बागची ने कहा था कि मुझे यह बात स्पष्ट करने दें... हमारा मानना है कि यह दुष्प्रचार का एक हिस्सा है, जो एक 'गलत आख्यान' विशेष को आगे बढ़ाने का प्रयास है। इसमें पूर्वाग्रह, निष्पक्षता की कमी और औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से झलकती है। भारत ने बीबीसी के वृत्तचित्र 'इंडिया = द मोदी क्वेश्चन' का लिंक साझा करने वाले कई यूट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट को 21 जनवरी को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने पिछले सप्ताह बीबीसी के विवादास्पद वृत्तचित्र को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का बचाव करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी का ''जो चरित्र चित्रण किया गया है, वह उससे सहमत नहीं हैं।

चीन के कर्ज जाल में फंसे श्रीलंका को जयशंकर की यात्रा से मिली राह

-आईएफएम से ऋण प्राप्त करने का रास्ता साफ

कोलंबो (एजेंसी)। चीन के कर्ज जाल में फंसे श्रीलंका का संकट कम नहीं हो रहा है। महंगाई 57 प्रतिशत पर चल रही है। आर्थिक तंगी के कारण देश में खाने-पीने के साथ-साथ ईंधन और दवा की भारी कमी हो गई है। इसकारण श्रीलंका को सुरक्षा से समझौता करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह दो लाख सैनिकों की मौजूदा संख्या को एक तिहाई कम कर देगा। इसमें करीब 1.35 लाख जवान ही रहने वाले हैं। इतना ही नहीं बल्कि 2030 तक जवानों की संख्या घटाकर 1 लाख कर देगी। हालांकि इस बारे में सरकार का कहना है कि कटौती का कदम उठाकर वह तकनीकी और रणनीतिक रूप से मजबूत और संतुलित रक्षा बल तैयार कर रही है। संकट से उबरने के उपायों के तहत श्रीलंका भी अपने वार्षिक बजट में 6 प्रतिशत की कटौती करेगा।

इस बीच भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के दौरे से श्रीलंका को बड़ी राहत मिली है। कोलंबो में उनके आगमन से श्रीलंका के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से ऋण प्राप्त करने का रास्ता साफ हो गया। उधर श्रीलंका सरकार के सूत्रों का दावा है कि जयशंकर के आते ही चीन दबाव में आ गया। उन्होंने श्रीलंका को राहत देने की दिशा में भी कदम उठाए हैं। गरीबी से श्रीलंका की दर्दनाक स्थिति भी उजागर हो रही है। स्कूलों में बच्चों को खाना नहीं बांटा जा रहा है। स्कूल अभिभावकों से कह रहे हैं कि वे अपने बच्चों को खाली पेट और बिना लंच के स्कूल न भेजें।

हर दिन 20-25 बच्चे प्रार्थना में बेहोश हो जाते हैं। हम मध्याह्न भोजन के लिए दान पर निर्भर हैं। संस्था फूड फर्स्ट इंफॉर्मेशन एंड एक्शन नेटवर्क के अध्यक्ष एस विश्वलिंगम के मुताबिक श्रीलंका में 20 प्रतिशत बच्चे इस समय बिना नाश्ता किए स्कूल पहुंच रहे हैं। इधर माता-पिता के सामने भी संकट खड़ा हो गया है। श्रीलंका में गर्भवती महिलाओं की स्थिति भी खराब है। कुछ एनजीओ का कहना है कि देश में 10 फीसदी गर्भवती महिलाएं कुपोषण का शिकार हैं। उन्हें दो वक्त की रोटी तब दूर पौष्टिक खाना भी नहीं मिल रहा है।

अमेरिका-इजरायल का अभी तक का सबसे विशाल युद्धाभ्यास शुरु चीन और ईरान को सीधा संदेश

वॉशिंगटन । (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल ने ईरान के खिलाफ एक बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास शुरू किया है। मामले से जुड़े सीनियर अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार इस युद्धाभ्यास का मकसद ईरान को यह संदेश देना है कि यूक्रेन में जारी जंग अमेरिका का ध्यान नहीं भटका सकती है। साथ ही चीन को भी युद्धाभ्यास से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि वह किसी गलतफहमी में न रहे और किसी भी समय बड़े सैन्य बल को कहीं भी भेजा जा सकता है।

इस युद्धाभ्यास को जुनिपर ओक 23 नाम दिया गया है। यह अमेरिका और इजरायल के बीच अभी तक का सबसे विशाल युद्धाभ्यास है। इस युद्धाभ्यास में बड़े स्तर पर एयरक्राफ्ट हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही इजरायल के रक्षा बलों के साथ काफी गहनता के साथ आपसी सहयोग किया जाएगा। इसके अलावा भारी मात्रा में गोला-बारूद भी इसका हिस्सा हैं। 23 जनवरी से लांच हुए इस युद्धाभ्यास में 6400 अमेरिकी सैनिकों के साथ 1100 इजरायली सैनिक शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा बी-52 बॉम्बर्स सहित 142 एयरक्राफ्ट होगा। इसमें से 100 एयरक्राफ्ट अमेरिकी सेना के हैं। चार एफ-35 फाइटर जेट्स 45 एफ/ए -18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान और दो एमक्यू-9 रीपर ड्रोन्स इसमें अपनी ताकत का प्रदर्शन करने वाले हैं। अमेरिकी नौसेना का एक कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और छह इजरायली जहाज भी इसका हिस्सा हैं। जनरल माइकल एरिक कुरिला जो अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर हैं उनका कहना है कि जूनिपर ओक वह संयुक्त ऑल डोमेन युद्धाभ्यास है जो हवा जमीन और समंदर के अलावा अंतरिक्ष में भी हमारे साथियों के साथ पारस्परिकता को बेहतर करती है। इसके अलावा दुश्मनों को जवाब देने की क्षमता को बढ़ाती है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री के रूप में आखिरी बार जनता के सामने आयीं जेसिंडा अर्डर्न

वेलिंगटन (एजेंसी)। जेसिंडा अर्डर्न न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री के तौर पर मंगलवार को आखिरी बार सार्वजनिक रूप से सामने आयीं और कहा कि वह सबसे ज्यादा लोगों को याद करेंगी क्योंकि वे उनके लिए ''नौकरी में खुश रहने'' की वजह थे। अर्डर्न ने बृहस्पतिवार को देश को हैरत में डालते हुए घोषणा की थी कि वह अपना पद छोड़ने जा रही हैं। लेबर पार्टी के सांसदों ने प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के लिए क्रिस हिप्किंस के पक्ष में रविवार को सर्वसम्मति से मतदान किया और वह बुधवार को शपथ ग्रहण करेंगे।

प्रधानमंत्री के रूप में आखिरी काम के तौर पर अर्डर्न रातना मैदान में आयोजित एक समारोह में हिप्किंस तथा अन्य सांसदों के साथ शामिल हुईं। अर्डर्न ने पत्रकारों से कहा कि हिप्किंस से उनकी दोस्ती करीब 20 साल पुरानी है और वह रातना मैदान तक आने के दौरान करीब दो घंटे उनके साथ रहीं। उन्होंने कहा कि वह केवल एक सच्ची सलाह दे सकती हैं कि, ''आप जो चाहते हैं वह करें।'' उन्होंने, अपनी घोषणा के बाद से सोशल मीडिया पर उन पर किए जा रहे कटु और महिला विरोधी हमलों के बारे में भी बात की और कहा कि उनके इस्तीफा देने के पीछे यह वजह नहीं है।

हिप्किंस ने पत्रकारों को कहा कि नेतृत्व परिवर्तन ''खट्टा-मीठा'' है। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर मैं, यह भूमिका संभालकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं लेकिन यह अच्छी तरह पता है कि जेसिंडा मेरी बहुत अच्छी मित्र है।'' अर्डर्न का गीत गाकर अभिवादन किया गया। उन्होंने मैदान में मौजूद लोगों से कहा कि वह न्यूजीलैंड तथा उसके लोगों के लिए अधिक प्यार और स्नेह के साथ यह दायित्व छोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि उनके सहकर्मी असाधारण लोग हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी यह नौकरी अकेले नहीं की। मैंने न्यूजीलैंड के शानदार सेवकों के साथ यह किया और मैं यह जानते हुए नौकरी छोड़ रही हूं कि आपका भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

आर्थिक स्थिति बिगड़ी तो भारत के लिए मुसीबत बन सकते हैं 65 लाख पाकिस्तानी युवा

इस्लामाबाद । भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में आर्थिक संकट गहरा गया है। आम लोग परेशान हैं। महंगाई अपने चरम पर है। लोग खाने-पीने का सामान नहीं खरीद पा रहे हैं। बेरोजगारी भी लगातार बढ़ती जा रही है। हर रोज हजारों पाकिस्तानी अपनी नौकरी खो रहे हैं। साल 2023 में भी लाखों लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है। 2023 में बेरोजगारों की कुल संख्या 65 लाख के करीब हो सकती है। पाकिस्तान में कुल कार्यबल का यह 8.5 फीसदी है। शहबाज सरकार अगर स्थित नहीं संभाल पाई तो पाकिस्तान में गृहयुद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। आशंका जताई जा रही है कि तब ये युवा कम ज्यादा मात्रा में भारत के लिए भी बड़ा संकट पैदा कर सकते हैं। पाकिस्तान की सरकार आईएमएफ की शर्तों को पूरा करने के लिए जल्द ही एक मिनी बजट पेश करना चाहती है। यह मिनी बजट पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। ऐसा इसलिए क्यों मिनी बजट में अगर आईएमएफ की सिफारिशें मानी गई तो गैस बिजली पेट्रोलियम समेत तमाम सामान की कीमतें बढ़ेंगी। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार भी इस कारण घटेगा।

अंधेरे में डूबे पाकिस्तान का भविष्य अधर में, पाकिस्तानी संसद को भी बंद करने के आदेश

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान का भविष्य अधर में और देश अंधेरे में डूबा हुआ है। पाकिस्तान में अब तक आटा खत्म होने की खबरें सुर्खियां बटोर रही थीं लेकिन अब पाकिस्तान में बिजली भी नहीं है। आवश्यक सेवाओं के लिए बिजली सुचारू रखने के लिए जो डीजल इस्तेमाल किया जाता है वह भी खत्म होने की कगार पर है। यदि पावर बैकअप सेवाओं को दुरुस्त नहीं किया गया तो पाकिस्तान में मोबाइल टावर पूरी तरह बंद हो जायेंगे और अस्पताल तथा परिवहन सेवाओं पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। इस बीच, यह भी खबर सामने आई है कि बिजली की कमी के चलते पाकिस्तान के संसद भवन को भी तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि इसके पीछे पाकिस्तान ने तर्क दिया है कि संसद भवन में एक शॉर्ट सर्किट हो गया था जिसके चलते इसे एहतियातन बंद करना पड़ा है लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि बिजली ही नहीं है तो संसद चलेगी कैसे? पाकिस्तान की सीनेट ने ट्विटर पर जानकारी दी है कि तीन दिनों के लिए कार्यालय बंद कर दिए गए हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में पाकिस्तान सरकार ने निर्देश दिये थे कि बाजारों आदि को शाम में ही बंद कर दिया जायेगा और निकाह आदि रात को नहीं होंगे ताकि बिजली बचाई जा सके।

उधर, पाकिस्तान में राष्ट्रीय ग्रिड में खराबी के कारण सोमवार को बड़े पैमाने पर बत्ती गुल रही जिससे राजधानी इस्लामाबाद और वित्तीय हब कराची समेत मुल्क के बड़े हिस्से में लाखों लोग बिना बिजली के रहे। बताया जा रहा है कि खराबी इसलिए आई क्योंकि प्राधिकारियों ने ईंधन की लागत बचाने के लिए रात में बिजली उत्पादन प्रणाली बंद कर दी थी। सुबह जब प्रणाली चालू की गई तो ''दादू और जमशोरो के बीच कहीं फ्रीक्वेंसी तथा वोल्टेज में उतार-चढ़ाव देखा गया'' जिससे बिजली उत्पादन प्रणाली बंद हो गई। इसके चलते पाकिस्तान की वित्तीय राजधानी कराची में लोग जब सुबह उठे तो घर में बत्ती गुल थी। पाकिस्तान के अन्य शहरों में भी बिजली बड़े पैमाने पर गुल रही लेकिन कराची पर इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। करीब 23 लाख से अधिक आबादी वाले कराची शहर में कुछ लोगों को पीने का पानी नहीं मिला क्योंकि पानी के पंप बिजली से चलते हैं। देखा जाये तो पाकिस्तान कम होते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच हाल के वर्षों में दुनिया के सबसे खराब वित्तीय संकट वाले देशों में से एक बन गया है।

इस बीच, यह भी खबर है कि जहाजरानी एजेंटों ने नकदी की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि विदेशी जहाजरानी कंपनियां उसके लिए अपनी सेवाएं बंद करने पर विचार कर रही हैं। ऐसी स्थिति अगर आई तो पाकिस्तान में सभी निर्यात ठप हो सकते हैं। दरअसल जहाजरानी कंपनियों का कहना है कि बैंकों ने डॉलर की कमी के चलते उन्हें माल ढुलाई शुल्क देना बंद कर दिया है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान शिप एजेंट एसोसिएशन के चेयरमैन अब्दुल रऊफ ने वित्त मंत्री इशाक डार को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि जहाजरानी सेवाओं में कोई भी व्यवधान देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। एसोसिएशन ने चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि अंतरराष्ट्रीय व्यापार बंद कर दिया जाएगा, तो आर्थिक स्थिति और खराब हो जाएगी।'

दूसरी ओर, एक ओर पाकिस्तान में भुखमरी की नौबत है तो दूसरी ओर रईसों के ठाठ हैं। चूक की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट के बीच बीते छह महीनों के दौरान 1.2 अरब डॉलर (259 अरब रुपये) महंगी कारों, अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके कलपुर्जों जैसी वस्तुओं के आयात पर खर्च किए हैं। आर्थिक संकट के बावजूद मौजूदा सरकार ने महंगी कारों के आयात से प्रतिबंध हटा लिया है और यह डॉलर में खर्च का प्रमुख कारण बन गया है।

दुनिया भर में कटोरा लेकर फिर रहे पाकिस्तान को विश्व बैंक से तत्काल मदद की उम्मीद थी लेकिन अब खबर है कि आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को विश्व बैंक से 1.1 अरब डॉलर के दो कर्ज की मंजूरी अगले वित्त वर्ष तक के लिए टल गई है। वाशिंगटन मुख्यालय वाली संस्था विश्व बैंक ने आयात पर बाढ़ शुल्क लगाने का भी विरोध किया है। इसके चलते पहले से ही 32 अरब डॉलर की

वार्षिक योजना में एक नया रोड़ा खड़ा हो गया है। उधर, अमेरिका के डॉलरों पर वर्षों तक पलते रहे पाकिस्तान को अब वाशिंगटन से भी मदद मिलना लगभग बंद हो चुका है। बिजली संकट ने पाकिस्तान को घेरा तो इस्लामाबाद को उम्मीद हुई कि वाशिंगटन की ओर से मदद मिलेगी लेकिन अमेरिका ने कह दिया है कि वह पाकिस्तान के राष्ट्रीय ग्रिड में आई खराबी को दूर करने में मदद करने को तैयार है। अमेरिका का यह बयान पाकिस्तान के लिए बिजली के बंद स्विच से भी झटका लगने के बराबर है।

सच बोलो - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब भी हम धर्मग्रंथों को पढ़ते हैं तो उसमें हमें यही समझाया जाता है कि हम एक सच्ची-सुच्ची ज़िन्दगी जियें लेकिन जैसे-जैसे इंसान सद्गुणों को अपनी ज़िन्दगी में ढालने की कोशिश करता है तो उसे लगता है कि अगर मैं ऐसे जिऊँगा तो मैं इस दुनिया में सफल नहीं हो पाऊँगा। हमें ऐसा लगता है कि जो लोग झूठ बोलते हैं, सच्चाई के साथ नहीं जीते, वे सब एक बेहतर ज़िन्दगी जीते हैं। हमे ऐसा लगता है कि जो लोग रौब से बोलते हैं, उनकी बातें दूसरे लोग जल्दी सुनते हैं। हमें ऐसा लगता है कि सद्गुणों को अपनी ज़िन्दगी में ढालने से हमारे सामने मुश्किलें आने लगती हैं।

लेकिन महापुरुष हमें समझाते हैं कि अगर हमें ज़िंदगी के मकसद तक पहुँचना है, अगर हमें अपने आपको सही रूप में जानना है, प्रभु को पाना है तो हमें प्रभु के साथ प्रेम करना होगा और सद्गुणों को अपने जीवन में धारण करना होगा। सबसे पहले हमें सच्चाई के साथ जीना होगा, जैसा कि गुरुवाणी में आया है: आदि सचु, जुगादि सचु। है भी सचु, नानक होसी भी सचु।।

वह सच क्या है? जो सच है, जो सृष्टि की शुरुआत में भी सच था, आज भी सच है, और आगे भी सच ही रहेगा। अगर हम उस सच्चाई को जान पायें तो हमारी ज़िन्दगी सफल हो जाएगी। अगर हम इस चीज़ को अपने पल्ले बाँध ले कि हमारा हर एक कार्य, हर एक सोच, हर एक बोल, सच्चाई से भरपूर होगा तो हमारी ज़िन्दगी अपने आप सफल होनी शुरू हो जाएगी।

महापुरुष हमें समझाते हैं कि अगर हम सच्चाई से जियेंगे, तो हमारी ज़िंदगी खुशियों से भरपूर हो जाएगी। एक सच्चा इंसान ही प्रभु को पा सकता है। "An ethical life is a stepping stone to spirituality" रूहानियत के रास्ते पर चलने के लिए सद्गुणों का ज़िन्दगी में होना पहला कदम है। अगर ज़िन्दगी में सद्गुण नहीं होंगे तो हम उस मंज़िल की ओर कदम उठा ही नहीं सकते। सद्गुणों में से सच्चाई की ज़िंदगी जीना सबसे बड़ा गुण है। अगर हम सच सोचे, सच बोलें और सच्चे कार्य करें तो फिर हम सच्चाई के रास्ते पर चल सकते हैं। सच क्या है? उसे हमें अपने अंदर अनुभव करना है, बाहर की दुनिया भ्रम और माया की दुनिया है। इसीलिए महापुरुष समझाते है कि जितना ज़्यादा हम बाहर की दुनिया में लगे रहेंगे, उतना ही ज़्यादा प्रभु से दूर होते चले जायेंगे। हमें पूरी कोशिश करनी चाहिये है कि हम सच्चाई को जानें और सच्चाई हमारे भीतर ही है। इसीलिए महापुरुष अंतर्मुख होने और भजन-अभ्यास पर बैठने के लिए कहते हैं। अंदर की दुनिया में हम तब जा सकते हैं जब हमारा शरीर शांत हो, मन शांत हो और बुद्धि भी स्थिर हो। हमारा मन तभी शांत होगा, उसमें हलचल नहीं होगी, जब हम एक सच्चा-सुच्चा जीवन जियेंगे और सद्गुणों से भरपूर ज़िन्दगी गुजारेंगे।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

गणतंत्र का राजा आमजन कब मुस्कुराएगा!

क्या यह सच नही है कि गण का तंत्र होने पर भी गण यानि आमजन ही अपने अधिकार से वंचित होकर रह गए है। भारतीय संविधान लागू होने के बाद आमजन को लगा था कि अब उनका अपना शासन उनके खुद के द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन कुछ बड़े लोगो की जेब का खिलौना बने राजनीतिक दलों ने आमजन को दरकिनार कर इन तथाकथित बड़े लोगो के सहारे देश में सत्ता प्राप्त करने की ऐसी चाल चली कि लोकतन्त्र बेचारा धराशाही होकर रह गया। विधायको और सांसदो की कथित खरीद फरोख्त ने तो देश के लोकतन्त्र को कमजोर करके रख दिया है।

(गणतन्त्र दिवस पर/ लेखक- डा0श्रीगोपाल नारसन)

भारतीय संविधान में आमजन को ही अपना शासक चुनने का अधिकार है।वोट के माध्यम से जिसे चाहे आम जनता फर्श से अर्श पर और अर्श से फर्श पर पहुंचा सकती है।लेकिन क्या वास्तव में वोटर असली राजा की भूमिका निभा पा रहा है?क्या वह शतप्रतिशत अपने मताधिकार का उपयोग कर पाता है?क्या अपना शासक चुनने के लिए वोट देते समय वह लोभविहीन रहकर देशहितसमाजहित व समाज के आखिर व्यक्ति तक के हित के बारे में सोचकर निष्पक्ष मतदान करने का दायित्व निभा पा रहा है?यदि नही तो फिर कैसे दुनिया का यह सबसे बड़ा गणतंत्र सुरक्षित रह पाएगा यह विचारणीय विषय है।हमारा संविधान भले ही जाति धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न करता हो लेकिन राजनीति से जुड़े लोग सत्ता की चाबी हाथ लगते ही चाबी अपने पास बनाये रखने के लिए भारतीय संविधान को उसकी मूल भावना से परे जाकर अपने अपने स्वार्थ से परिभाषित करने का प्रयास करते है।तभी तो अभी तक भारतीय संविधान को अनेक बार संशोधनों का सामना करना पड़ा है।भारतीय संविधान की वर्षगांठ पर यह विचार करना आवश्यक है कि दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र में क्या सही मायनों में स्वस्थ लोकतंत्र सुरक्षित है।क्या यह सच नही है कि गण का तंत्र होने पर भी गण यानि आमजन ही अपने अधिकार से वंचित होकर रह गए है। भारतीय संविधान लागू होने के बाद आमजन को लगा था कि अब उनका अपना शासन उनके खुद के द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन कुछ बड़े लोगो की जेब का खिलौना बने राजनीतिक दलों ने आमजन को दरकिनार कर इन तथाकथित बड़े लोगो के सहारे देश में सत्ता प्राप्त करने की ऐसी चाल चली कि लोकतन्त्र बेचारा धराशाही होकर रह गया। विधायको और सांसदो की कथित खरीद फरोख्त ने तो देश के लोकतन्त्र को कमजोर करके रख दिया है। भारतीय गणतन्त्र को यूं धराशाही करने की कोशिश की जाएगी यह पहले किसी ने सोचा तक नही था। तभी तो इस लोकतन्त्र में क्या वास्तव में आमजनता को उनका अपना वास्तविक तन्त्र मिल पाया ?भारतीय संविधान की मूल भावना जनता पर जनता के द्वारा शासन का सपना क्या वास्तव में चरितार्थ हो पाया? सन 1950 में भारतीय संविधान देश में लागू हो गया था। देश के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान में समानता का अधिकार मिला था। लेकिन गणतन्त्र लागू होने के इतने सालों बाद भी देश मे नाम मात्र के लोगो का ही गणतन्त्र बन पाया है। देश मे शासन वे लोग ही कर रहे हैजिनके पास धन बल की ताकत है।देश की आम जनता आजादी के बाद से आज तक इन धन बल वालो की ही गुलाम बनी हुई है। यही कारण है कि आम लोग जब असहनीय रूप से शोषित और पीड़ित हो जाते है तो वे अपने अधिकारों के लिए सडकों पर आकर आंदोलन करने को मजबूर होते है।जिन्हें इन्ही शासकों द्वारा लाठी डंडे से दबाने की कोशिश की जाती है। साथ ही अब यह तय है कि अब आम आदमी अपने विरूद्ध होने वाले हर अन्याय का प्रतिवाद करने को तैयार हो गया है।फिर भी ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रपति पद तक के चुनाव में कोई भी आम आदमी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता है। ग्राम स्तर पर गांव के धनाढय वर्ग से जुडे लोग चुनाव लडते है तो क्षेत्र पंचायत जिला पंचायत विधान सभालोक सभा चुनाव मे भी आम जनता मे से कोई चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता है।। क्योकि लाखो करोड़ो रुपयों के बिना अब कोई भी चुनाव लडना सभंव नही रह गया है। राज्य सभा और विधानपरिषद तो राजनीतिक दलो की अपनी बपोती बन गई है। शायद ही किसी गरीब और आम आदमी को इन सदनो मे से किसी का सदस्य बनाया जाता हो बडी राजनितिक पार्टिया अपने चेहतो को राज्य सभा और विधान परिषदो मे भेजकर उपकृत करती रही है । इन सीटो पर वे अपने चेहतो को भेजने के लिए संख्या बल के हिसाब से सीटो का आपसी बटवारा कर लेते है। जिस कारण आम जनता हर बार ठगी सी रह जाती है। इसी कारण इन सदनो मे चुनकर जाने वाले नेता अपने क्षेत्र के प्रति जवाबदेह भी नही रहते यहॉ तक कि उनकी सांसद निधि और विधायकनिधि या तो खर्च ही नही हो पाती या फिर उसका जमकर दुरूपयोग किया जाता है।जो राष्ट्रहित में नही है।गत चुनाव मे एक भी ऐसा प्रत्याशी किसी बडे राजनीतिक दल से चुनाव मैदान में नही आया जो गरीब की रेखा से नीचे का हो या फिर आमजनता के बीच का हो और किसी बडी राजनीतिक पार्टी ने उसे टिकट दिया हो । जीवनभरअपनी पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले भी इसी कारण टिकट से वंचित रह जाते है क्योकि उनके पास धन बल नही होता। जबकि धनबल के सहारे दलबदल कर स्वार्थी नेता हर पार्टी में टिकट पाने मे कामयाब हो जाते है। तभी तो करोडो खर्च करके जो मौकाप्रस्त टिकट पा जाते है वे चुनाव जीतकर पहले जो चुनाव में करोड़ों रुपया खर्च किया उसे बटोरेंगे।ऐसे में वे कैसे जनता की सेवा कर पायगे? चुनाव प्रभावित क्षेत्रो से करोड़ो रूपये का काला धन पकडा जाना चुनाव मे बेताहशा खर्च की असलियत का जीता जागता प्रमाण है। आजादी के 76 साल बाद भी आम व्यक्ति भूख से मर रहा हैयुवा रोजगार को तरस रहा हैअन्नदाता किसान आत्महत्या करने को मजबूर है।आज भी कानून की रक्षक कही जाने वाली पुलिस जिसे चाहे जब चाहे जहॉ चाहे उठाकर बिना किसी कारण के हवालात में बन्द कर सकती है। जो व्यक्ति या दल चाहे सडक जाम कर मरीजो को अस्पताल जाने से रोक देता है। आज भी कर्मचारी या अधिकारी चाहे तो गरीब को उसके द्वारा घूस न देने के कारण उसे उसके मौलिक अधिकारों से वंचित कर देता है। आज भी प्राइवेट स्कूलों व प्राइवेट अस्पतालो मे गरीबो के लिए के लिए प्रवेश आरक्षण व्यवस्था लागू होने पर भी उन्हे प्रवेश से वंचित किया जाता है। आज भी गरीब की भूमि पर भूमाफियाओ के कब्जे की शिकायते मिलना आम बात है।आज आमजन नेताओ के झूठे वायदो व भृष्टअधिकारियो के मायाजाल फंसकर परेशान है और उस असली गणतंत्र को खोज रहा है जिसमे आमजन में राजा बनाने की शक्ति निहित की गई थी। ऐसे में कैसे भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप सभी भारतीयों को उनका अपना लोकतन्त्र मिल प्राप्त हो सकता है?वह भी तब जब गणतंत्र का असली राजा कहे जाने वाले आमजन जिनमे मजदूर किसान युवामहिलाएं बुजुर्ग आदि शामिल हैखुद के मूलभूत अधिकारों से वंचित हैजबकि जिनको आमजन ने चुनकर विधानमंडल व संसद में भेजा है उनका आर्थिक बोझ देश को खोखला कर रहा है।यही कारण है कि देश के गणतंत्र के असली राजा आमजन के चेहरे पर मुस्कान नही आ पा रही है।(लेखक आजादी के अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे है)

आमंत्रित रचना - संथारा

आत्मा और शरीर ये दोनों भिन्न हैं। अगर हम मानव यह समझ ले तो मृत्यु का दुख और भय ही नही रहेगा। संथारा पूर्वक मृत्यु को प्राप्त करने का मतलब है कि अन्य सभी इच्छाओं का दमन करते हुए सिर्फ मोक्ष प्राप्ति की कामना करना। उपवास यदि निर्जरा का साधन बनता है तो भोजन भी निर्जरा का साधन बन सकता है। बशर्ते भोजन का उद्देश्य स्पष्ट हो। जीने के लिए भोजन किया जाए ।भोजन के लिए ना जिया जाए। निर्जरा के 12 प्रकार बताए गए हैं। उनमें पहला भेद है- अनशन। अनशन के दो प्रकार प्रज्ञप्त है/ इत्वरिक और यावत्कथिक ।वर्तमान काल के परिप्रेक्ष्य में उपवास से लेकर 6 महीने तक की जो तपस्या की जाती है वह इत्वरिक अनशन कहलाता है।जीवन पर्यंत के लिए जो अनाहार की साधना स्वीकार की जाती है वह यावत्कथिक कहलाता है।अनशन की साधना सबके लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती है ।कुछ विरले मानव होते हैं जो मृत्यु का महोत्सव मनाते हैं। संसार असार को सही से समझ कर आगे के भव की चिंता करते हैं और नश्वर काया का मोह त्याग कर सहर्ष देह त्याग का प्रण लेते हैं। कष्टों से घबरा कर व हताश होकर ऐसा नहीं करते हैं बल्कि आत्मकल्याण के लिए शुद्ध भावों से सचेत अवस्था में करते है ।मृत्यु तो शरीर की होती है आत्मा की नहीं आत्मा तो अजर -अमर है 7 आत्मा हमारें कर्मो के हिसाब से एक शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर को धारण कर लेती है । शरीर की मृत्यु तो एक प□ाव है, जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्र को त्यागकर नये वस्त्रों को ग्रहण कर लेता है । न और स का अंतर ही तो हमारे मिथ्यात्व और सम्यक्त्व के आड़े आता है।नकारात्मक दृष्टिकोण हमेशा हमारे भीतर संदेह पैदा करता है और सम्यक्त्व का बाधक बनता रहता है ।हम सब जानते है कि एक दिन तो जन्म के बाद मृत्यु निश्चित है तो उससे डरने की बजाय श्रावक के अंतिम मनोरथ को पूरा करने के लिए हर पल विवेकपूर्ण तरीके को अपनाते हुए अप्रमत्त रहने के साथ अंतिम संलेखना संथारा पूर्वक अपने पंडित मरण की तैयारी तैयार करें और मृत्यु महोत्सव हो हमारे लिए ये सकारात्मक सोच के साथ हलुकर्मी होते हुए हिंसा का अल्पीकरण करते हुए अपना जीवनयापन करें।साधना के द्वारा इस शरीर से सार निकालते रहे और पौष्टिक और कम आहार करते हुए जागरूकता पूर्वक अपनी प्रवृतियों को समेटते हुए निवृतिमय जीवन जीकर अपना मृत्यु महोत्सव मनाएं। हम अपने जीवन के कल्याण के साथ मृत्यु का भी कल्याण करें और दोबारा जन्म न लेना पड़े दो से ज्यादा आत्मा को यही हमेशा हम सही से करने का प्रयास करें। संथारा करने वालों के लिये तभी तो कहते है संथारे की सही से डोर पकड़कर किया निज जीवन का उद्धार । समता की पतवार पकड़कर करदी जीवन की नैया पार ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

वसंत पंचमी

पदार्थ की परिणति का कोई रूप एक नहीं हैं । कभी स्थूल - कभी सूक्ष्म कभी - कभी अति सूक्ष्म । अतिसूक्ष्म जिसे स्वयं इन्द्रियां नहीं जान सकती , सामान्य सी अतीन्द्रिय चेतना भी नहीं जानती । बसंत पंचमी विद्या की देवी का दिवस हैं । विद्या विनय की निष्पत्ति भी है और बढ़ाने वाले विनय समर्पण और शालीनता का ऐसा नियामक तत्त्व हैं , जो उच्छृंखल वृत्तियों को संयम के बांध में बांध कर मोड़ देती है उनके प्रवाह को । अगर हम चाहते जीवन के लक्ष्य को करना निर्धारित , और चाहते बढ़ना दृढ संकल्प के साथ आगे तो विद्या और चेष्टा ही हमें वरण करवाएगी सफलता का ।

विचार मंथन

रिलायंस समूह पर मध्य प्रदेश सरकार की मेहरबानियां

(लेखक-सनत जैन)

मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों को रिलायंस सासन पावर प्रोजेक्ट और कोल माइंस से लगभग 550 करोड़ रुपए की राशि कई वर्षों से लंबित है। सरकार के विभिन्न विभाग कागजी कार्रवाई कर लेती हैं। नोटिस भेज देते हैं। लेकिन रिलायंस समूह पर इसका कोई भी असर नहीं होता है। सरकार भी वसूली के लिए कोई ऐसी कार्यवाही नहीं करती है जिससे लगे कि सरकार गरीब और अमीर के साथ कोई भेदभाव नहीं करती है। संबंधित विभागों द्वारा सरकार को भी इस आशय की सूचना दी गई लेकिन सरकार ने भी चुप्पी साध रखी है। रिलायंस के सासन पावर तथा कोल माइंस के ऊपर मध्य प्रदेश सरकार के खनिज विभाग राजस्व विभाग जल संसाधन विभाग और पुलिस विभाग को लगभग 550 करोड रुपए बकाया है। संबंधित विभागों द्वारा कई बार रिलायंस कंपनी को वसूली के नो टिस भेजने के बाद भी कंपनी के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर जब सरकार ही रिलायंस समूह पर मेहरबान है। ऐसी स्थिति में उससे पैसा वसूल कर पाना कम से कम अधिकारियों के बस की बात तो नहीं है। कागजों पर बड़े-बड़े दावा करने वाली रिलायंस समूह से सरकार को 300 करोड़ रूपया खनिज रॉयल्टी के लेना है। 200 करोड़ रुपए जल संसाधन विभाग को लेना है। कंपनी पैसे नहीं चुका रही है। उल्टे अदालत में जाकर बकाया जमा नहीं करने पड़े इसके लिए कोर्ट कचहरी कर रही है। 48 करोड़ रुपये वन विभाग को वसूल करना है राजस्व विभाग को भी करोड़ों रुपए भू भाटक के रूप में वसूल करना है। रिलायंस सासन पावर प्रोजेक्ट के लिए पुलिस विभाग द्वारा पुलिस बल और चौकियों का निर्माण किया गया था पुलिस विभाग का भी 13 करोड़ से अधिक का रिलायंस के ऊपर बकाया है। म.प्र. सरकार हर माह रिजर्व बैंक से कर्ज ले रही है। कर्ज पर ब्याज चुका रही है। वहीं रिलायंस समूह से राजस्व की वसूली नहीं कर पाने से कहा जाने लगा है कि उद्योगप तियों के लिये म.प्र. चारागाह की तरह है। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग बकाया वसूली के लिए नोटिस भेजकर और शासन को सूचित करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। भोपाल में नगर निगम ने अभी तक 9000 से अधिक संपत्ति कर जमा नहीं करने वालों की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। उस पर तालाबंदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुछ इसी तरीके की स्थिति विद्युत वितरण कंपनियां राजस्व विभाग स्थानीय संस्थाएं एवं अन्य विभाग राजस्व की वसूली के लिए कुर्की और अखबारों में विज्ञापन देकर संपत्ति को जप्त करके बकाया राशि की वसूली करते हैं। जो कुछ हजार या लाख रुपए की होती है। लेकिन रिलायंस के ऊपर तो 550 करोड़ रुपए बकाया है। इसके बाद भी सरकार चुप है। इसको लेकर अब लोग कहने लगे हैं कि देश में 2 तरीके के कानून है। एक आम लोगों के लिए और दूसरा विशिष्ट लोगों के लिए है। विशिष्ट लोगों के मामले में सरकार अधिकारी यहां तक की कोर्ट से उन्हें सब जगह से राहत मिल जाती है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की सरेआम इज्जत नीलाम कर सम्प त्ति की कुर्की कर वसूली की जाती है। उनकी संपत्तियों को जप्त कर लिया जाता है। यहां तक कि बिजली के बिल के कुछ हजार रुपए बाकी होने पर किसान के गाय-बैल बिजली मोटर ट्रेक्टर इत्यादि भी बिजली कंपनी जप्त करके ले जाती है। इन बड़े-बड़े धन्ना सेठों पर सरकार क्यों मेहरबान होती है। यह आम आदमी नहीं समझ पा रहा है।

पिछले वर्षों में आम नाग रिकों के साथ बैंक एवं शासकीय विभाग जिस तरह से वसूली करते हैं उससे लोगों की नाराजी गढ़ रही है। आम नाग रिक भी कोरोना की बीमारी से कर्जे में चले गए हैं।

महंगाई बेरोजगारी और प्राकृ तिक आपदा से वह भी परेशान होते हैं। किन्तु सरकार और उनके अ धिकारी नाग रिकों के साथ कोई सहानुभू ति नहीं रखते हैं। रिलायंस जैसे उद्योगप तियों को हर जगह छटि मिल जाती है। इससे जनता में नाराजी बढ़ रही है।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिक्रूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत शुद्ध लाभ घाटा

मुंबई । सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत शुद्ध लाभ 2022-23 की दिसंबर तिमाही में 58 प्रतिशत घटकर 227.86 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बीएसई को इसकी जानकारी दी। इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 545.06 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। पिछले वर्ष दिसंबर तिमाही में उसकी कुल आय 1558.89 करोड़ रुपये थी जो इस वर्ष समान तिमाही में बढ़कर 1809.95 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का कुल व्यय भी बढ़कर 1528.22 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले समान तिमाही में यह 1385 करोड़ रुपये था। कंपनी के निदेशक मंडल ने 126 करोड़ रुपये के निवेश से मलानपुर और भोपाल संयंत्रों की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस विस्तार परियोजना का क्रियान्वयन 15 महीने के भीतर होगा।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज का शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत गिरा

मुंबई । आईआईएफएल सिक्योरिटीज का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 25 प्रतिशत गिरकर 64.2 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने मंगलवार को बयान में इसकी जानकारी दी। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में 86 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। आलोच्य अवधि के दौरान कंपनी की कुल आय भी छह प्रतिशत घटकर 347 करोड़ रुपए रह गई। एक साल पहले समान अवधि में यह 368 करोड़ रुपए रही थी। इसके अलावा आईआईएफएल के निदेशक मंडल ने इस वित्त वर्ष 2022-23 के लिए तीन रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा भी की है। कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड तिथि तीन फरवरी तय की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक आर वेंकटरमन ने कहा ''बीती तिमाही के दौरान हमारे निदेशक मंडल ने ऑनलाइनखुदरा व्यापार कारोबार को 5पैसा कैपिटल लि. को स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी। इसके लिए नियामकीय मंजूरियां ली जानी हैं। पिछले महीने तक प्रबंधन के तहत कंपनी की संपत्ति 1.24 लाख करोड़ रुपए से अधिक रही।

अमेजन इंडिया ने नई एयर सर्विस शुरू की

मुंबई । अमेजन एक तरफ अपने यहां से कम्पचो रियों को कम कर रही है तो दूसरी तरफ कंपनी का विस्तार करने में लगा हुआ है। अमेजन इंडिया ने अपनी नई एयर सर्विस की शुरुआत की है। यह हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरु हुई है। अमेजन इंडिया ने अपने परिवहन नेटवर्क को और मजबूत करने तथा ग्राहकों तक डिलिवरी में तेजी लाने के उद्देश्य से देश में अमेजन एयर की शुरुआत की। तेलंगाना के उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने अमेजन के वरिष्ठ अधिकरियों की मौजूदगी में हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस सेवा की शुरुआत की है। बता दें कि कंपनी इसको लेकर काफी समय से योजना बना रही थी। अब वह इसे लॉन्च कर रही है। अमेजन ने बताया कि वह भारत की ऐसी पहली ई-वाणिज्य कंपनी है जिसने हवाई मार्ग से माल ढुलाई के लिए अलग से नेटवर्क शुरू किया है। अमेजन में उपाध्यक्ष अखिल सक्सेना ने कहा कि अभी दो विमानों का परिचालन किया जा रहा है। तीसरे पक्ष की कंपनी क्विकजेट से हमने विमान पट्टे पर लिया है। कंपनी विमान का परिचालन और देखरेख हमारे लिए करेगी।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

सेंसेक्स में 37 अंक उछला निफ्टी 14 अंक गिरा

मुम्बई । शेयर बाजार में मंगलवार को मिलाजुला कारोबार हुआ है। सेंसेक्स आज सुबह बढ़त के साथ शुरु हुआ। दुनिया भर के बाजारों में आई तेजी से बाजार पर प्रभाव दिखा और खरीदारी भी बढ़ी पर बाद में इसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 37 अंक बढ़कर 60978 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 अंक नीचे आकर 18105 पर बंद हुआ। इस प्रकार तेजी के बाद भी सेंसेक्स 61 हजार के नीचे बना रहा। इंट्राडे में निफ्टी 18201 तक पहुंचा था जबकि सेंसेक्स 61266 के शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों के इंडेक्स की शुरूआत बढ़त के साथ शुरु हुई पर बाद में तेजी कम हुई। बाजार ने कारोबार के दौर अपनी लगभग पूरी बढ़त गंवा दी। बैंक निफ्टी 88 अंकों से नीचे आकर 42733 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स सुबह 180 अंकों की बढ़त के साथ 61122 पर खुला और कारोबार शुरु हुआ। वहीं निफ्टी 65 अंक उछलकर 18184 पर खुला और कारोबार शुरू हुआ। निवेशकों पर आज दुनिया भर के बाजारों में आई तेजी का असर दिखा और उन्हें होंने शुरुआत से ही खरीदारी पर जोर दिया। निवेश से सुबह 9.41 बजे सेंसेक्स 317 अंक बढ़कर 61259 पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 72 अंकों की बढ़त के साथ 18191 पर कारोबार करने लगा। दिग्गज शेयरों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयरों में तेजी देखने को मिली है जबकि 15 नुकसान पर बंद हुए हैं। आज के कारोबार में टाटा मोटर्स मारुति एचसीएलटेक एचएफसीबैंक एचडीएफसी इंडसइंडबैंक टीसीएस आईटीसी शामिल हैं जबकि सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों मे एक्सिसबैंक एलटी टाटास्टील कोटकबैंक एसबीआई सन फर्मा आरआईएल शामिल हैं। मारुति के शेयरों में 3.25 फीसदी की शानदार तेजी रही। कंपनी के लाभ में 130 फीसदी का भारी उछाल आया है।

आरकैप नीलामी मामले में एनसीएलटी ने सुरक्षित रखा फैसला

मुंबई । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज संकट से जूझ रही कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए नए सिरे से नीलामी किए जाने के मामले में अपना आदेश सुरक्षित रखा। इसके साथ ही एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कंपनी की ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) को अंतिम आदेश जारी होने तक यथास्थिति बरकरार रखने का भी आदेश दिया। न्यायाधिकरण 30 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में अपना आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति श्याम बाबू गौतम और न्यायमूर्ति प्रदीप नरहरि देशमुख की पीठ ने पिछली नीलामी में सर्वाधिक बोली लगाने वाली कंपनी टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है। इस याचिका में नए सिरे से नीलामी करने की सीओसी योजना निरस्त करने की मांग की गई है। टॉरेंट इन्वेस्टमेंट ने दिसंबर में संपन्न ऑनलाइन नीलामी में रिलायंस कैपिटल के लिए सर्वाधिक 8640 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस कैपिटल पर लगभग 40000 करोड़ रुपए का कर्ज है। कर्ज देनदारियों को चुकाने में नाकाम रहने पर भारतीय रिजर्व बैंक ने रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को बर्खास्त करने के साथ ही नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही कंपनी के खिलाफ दिवाला एवं कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

जियो टू 5जी सेवा बिलासपुर कोरबा और राजनांदगांव में लॉन्च

जियो छत्तीसगढ़ के 6 प्रमुख शहरों रायपुर दुर्ग भिलाई बिलासपुर कोरबा और राजनांदगांव में टू 5जी लॉन्च करने वाला पहला और एकमात्र ऑपरेटर

अब तक देश के 184 शहरों में जियो की टू 5जी सेवा लॉन्च आज देश के 50 शहरों में एक साथ जियो टू 5जी सेवा लॉन्च

मुंबई ।

रिलायंस जियो ने आज छत्तीसगढ़ के 3 प्रमुख शहरों बिलासपुर कोरबा और राजनांदगांव में जियो टू 5जी सेवा लॉन्च की। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर शहर कमर्शियल और बिजनेस हब है वहीं कोरबा पावर कैपिटल और इंडस्ट्रियल हब है। इस लॉन्च के साथ ही रिलायंस जियो छत्तीसगढ़ के 6 प्रमुख शहरों में जियो टू 5जी सेवा लॉन्च करने वाला पहला और एकमात्र ऑपरेटर बन गया है। छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 14 जनवरी 2023 को रायपुर दुर्ग और भिलाई में जियो टू 5जी सेवा लॉन्च की थी। आज से बिलासपुर कोरबा और राजनांदगांव के जियो यूजर्स को जियो वेलकम ऑफर के तहत आमंत्रित किया जाएगा। जियो वेलकम ऑफर के तहत यूजर्स बिना किसी अतिरिक्त लागत के 1 जीबीपीएस+ की स्पीड का अनुभव कर सकेंगे। जियो को छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से बिलासपुर और कोरबा में जल्द से जल्द जियो टू 5जी लॉन्च करने के वादे को निभाने पर गर्व है। जियो राज्य में सबसे पसंदीदा ब्रांड हैं और दो तिहाई बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी है। जियो टू 5जी के लॉन्च होने से ग्राहकों को विश्वस्तरीय बेहतरीन टेलीकॉम नेटवर्क मिलेगा। इस अवसर पर जियो प्रवक्ता ने कहा कि ÷17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 50 शहरों में एक साथ जियो टू5जी लॉन्च करने हम बेहद रोमांचित हैं। जियो टू 5जी से जुड़ने वाले शहरों की कुल संख्या 184 हो गई है। यह भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में 5जी सेवाओं के सबसे बड़े रोलआउट में से एक है। हमने देश भर में टू 5जी रोलआउट की स्पीड बढ़ा दी है क्योंकि हम चाहते हैं कि प्रत्येक जियो

उपयोगकर्ता नए साल 2023 में जियो टू 5जी का फायदा ले सके। राज्य के 6 शहरों रायपुर दुर्ग भिलाई बिलासपुर कोरबा और राजनांदगांव में जियो टू 5जी लॉन्च होने से क्षेत्र के लोगों को मैन्युफैक्चरिंग टूरिज्म एसएमई ई गवर्नेंस शिक्षा स्वास्थ्य कृषि ऑटोमेशन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस गेमिंग और आईटी सेक्टर में अनंत अवसर मिलेंगे। जियो छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ प्रशासनिक टीम को राज्य को डिजिटाइज करने के हमारे मिशन में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता है।

लेक्ट्रिक पॉलिसी अपनाने वाली हार्ले-डेविडसन

- कंपनी के सीईओ ने किया खुलासा

नईदिल्ली ।

महंगी कारें बनाने वाली कंपनी हार्ले-डेविडसन के सीईओ जोचेन जत्ज़ि ने खुलासा किया है कि कंपनी फ्यूचर में पूरी तरह से इलेक्ट्रिक पॉलिसी को अपनाने वाली है। मौजूदा समय में कंपनी के लाइनअप में कई सारे वी ट्विन मॉडल्स शामिल हैं। कंपनी के सीईओ ने एक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की कि कंपनी अपने पापुलर वी-ट्विन इंजन के प्रोडक्शन का काम बंद कर देगी और इसके बाद केवल इलेक्ट्रिक बाइक्स को ही पेश करेगी। हालांकि कंपनी के पास पहले से ही अपना नया उप-ब्रांड लाइववायर है जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल पेश करता है। साथ ही ऐसी जानकारी भी सामने आई है कि कंपनी अपने लाइनअप में कई नए प्रोडक्ट्स जोड़ने वाली है जिसमें केवायएमसीओ की मदद से डेवलप की गई बाइक्स की रेंज भी शामिल होगी।

गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की घटी दौलत

- गौतम अडानी की संपत्ति में इस साल अब तक 683 मिलियन डॉलर की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

अरबपति गौतम अडानी का नाम दुनिया के तीन सबसे अमीर लोगों में नहीं रह गया है। वे इस सूची में चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में अडानी ग्रुप के चेयरमैन चौथे स्थान पर खिसक आए हैं। गौतम अडानी की संपत्ति में इस साल अब तक 683 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इसके साथ ही उनकी संपत्ति घटकर 120 अरब डॉलर रह गई है। वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति में इस साल अब तक 2.38 अरब डॉलर की गिरावट आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी इस सूची से बाहर हो गए हैं। वे 12वें स्थान पर हैं। अडानी की जगह प्रमुख 10 की सूची में तीसरे स्थान पर अब ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस आ गए हैं। हालांकि अडानी और बेजोस की संपत्ति में कोई अधिक अंतर नहीं हैं। बेजोस की संपत्ति 121 अरब डॉलर है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की इस सूची में पहले स्थान पर बर्नार्ड अरनॉल्ट हैं। उनकी संपत्ति 188 अरब डॉलर है। वहीं एलन मस्क 145 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। साल 2023 अब तक गौतम अडानी की संपत्ति के लिए सही नहीं रहा है। दुनिया के टॉप 10 अमीर लोगों की सूची में वे ही अकेले हैं जिनकी संपत्ति में गिरावट आई है। अडानी की संपत्ति साल 2023 में अब तक 683 मिलियन डॉलर घट चुकी है। बर्नार्ड अरनॉल्ट की संपत्ति में 26 अरब डॉलर मस्क की संपत्ति में 8.21 अरब डॉलर और बेजोस की संपत्ति में 13.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स को देखने पर पचा चलता है कि दुनिया

के टॉप-15 अमीरों में से सिर्फ गौतम अडानी और मुकेश अंबानी ही ऐसे हैं जिनकी संपत्ति इस साल घटी है। सूची में चौथे स्थान पर मौजूद गौतम अडानी की संपत्ति 683 मिलियन डॉलर घटी है। वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति में इस साल अब तक 2.38 अरब डॉलर की गिरावट आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी इस सूची से बाहर हो गए हैं। वे 12वें स्थान पर हैं।

देश में बिकने वाले 25-30 प्रतिशत उत्पाद जाली

नई दिल्ली । देश में नकली उत्पाद का बड़ा बाजार बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में बिकने वाले करीब 25-30 प्रतिशत उत्पाद जाली हैं और यह चलन कपड़ों एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाले क्षेत्रों में सबसे ज्यादा नजर आता है। इसके अलावा दवा वाहन एवं टिकाऊ उपभोक्ता क्षेत्रों में भी नकली उत्पादों की भरमार देखी जाती है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक परिधान क्षेत्र में करीब 31 प्रतिशत उत्पाद नकली पाए जाते हैं जबकि रोजमर्रा के उत्पादों के मामले में यह अनुपात 28 प्रतिशत का है। वहीं वाहन क्षेत्र के 25 प्रतिशत उत्पाद नकली होते हैं। दवा एवं औषधि क्षेत्र के 20 प्रतिशत उत्पाद टिकाऊ उपभोक्ता क्षेत्र के 17 प्रतिशत उत्पाद और कृषि-रसायन क्षेत्र के 16 प्रतिशत उत्पाद नकली पाए गए हैं। इस रिपोर्ट की खास बात यह है कि 27 प्रतिशत खरीदारों को यह पता ही नहीं होता है कि वे नकली उत्पाद खरीद रहे हैं। वहीं 31 प्रतिशत लोग जानबूझकर नकली उत्पादों को खरीदते हैं। इस रिपोर्ट को दिल्ली आगरा जालंधर मुंबई अहमदाबाद जयपुर इंदौर कोलकाता पटना चेन्नई बेंगलुरु एवं हैदराबाद शहरों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर तैयार किया गया है।

कच्चा तेल महंगा कई शहरों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव करीब एक डॉलर बढ़कर 88.15 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है और ब्रेंट क्रूड का भाव एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। इस बीच मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी तेजी दिख रही है और कई शहरों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार हरियाणा के गुरुग्राम में मंगलवार को पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 96.99 रुपए लीटर रहा जबकि डीजल 2 पैसे चढ़कर 89.86 रुपए लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 36 पैसे चढ़कर 108.44 रुपए लीटर जबकि डीजल 32 पैसे चढ़कर 93.68 रुपए लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल का दाम 4 पैसे बढ़ा और 107.80 रुपए लीटर हो गया जबकि डीजल 4 पैसे चढ़कर 94.56 रुपये लीटर है।

कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे के दौरान तेजी देखी गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब एक डॉलर बढ़कर 88.15 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी चढ़कर 81.67 डॉलर डॉलर प्रति बैरल हो गया है।दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर जयपुर में पेट्रोल 108.44 रुपए और डीजल 93.68 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.99 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एसबीआई कार्डस ने तीसरी तिमाही में 509.46 करोड़ रुपये का उच्च शुद्ध लाभ कमाया

चेन्नई।

क्रेडिट कार्ड प्रमुख एसबीआई कार्डस एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही को 509.46 करोड़ रुपये के उच्च शुद्ध लाभ के साथ बंद किया।नियामक फाइलिंग में, कंपनी ने कहा कि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए, उसने कुल परिचालन राजस्व 3,507.12 करोड़ रुपये (2022 की तीसरी तिमाही में 2,889.46 करोड़ रुपये) और 509.46 करोड़ रुपये (386.77 करोड़ रुपये) का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। हालांकि, समीक्षाधीन अवधि के लिए कर पश्चात लाभ कंपनी द्वारा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में किए गए 525.64 करोड़ रुपये के लाभ से कम है। 31 दिसंबर, 2022 तक कंपनी की ग्रोस नॉन परफोर्मिंग एसेट (जीएनपीए) और शुद्ध एनपीए क्रमशः 2.22 प्रतिशत और 0.80 प्रतिशत है, जबकि 31 दिसंबर, 2021 और 31 मार्च, 2022 तक क्रमशः प्रतिशत और 0.78 प्रतिशत 2.22 प्रतिशत क्रमशः 2.40 प्रतिशत और 0.83 प्रतिशत थी। एसबीआई कार्ड की ब्याज लागत साल-दर-साल 68 फीसदी बढ़कर 464 करोड़ रुपये हो गई और इसकी परिचालन लागत साल-दर-साल 15 फीसदी बढ़कर 1,974 करोड़ रुपये हो गई। पिछली तिमाही के 12.3 प्रतिशत के आंकड़े की तुलना में समीक्षाधीन अवधि के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घटकर 11.6 प्रतिशत रह गया।

देश का सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 300 अरब डॉलर का लक्ष्य पार कर जाएगा: गोयल

गांधीनगर ।

देश के सेवा निर्यात क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही। गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में सेवाओं का निर्यात करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 300 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि वस्तुओं के निर्यात की बात की जाए तो यह क्षेत्र भी स्वस्थ वृद्धि दर्ज कर रहा है।

दुनिया में मंदी मुद्रास्फीतिक दबाव और जिंसों की ऊंची कीमतों के बावजूद वस्तुओं का निर्यात अच्छा रहा है। इन सब दबावों के बावजूद चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में देश का निर्यात नौ प्रतिशत बढ़ा है। सेवाओं के मामले में हम निर्यात में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेंगे। हम 300 अरब डॉलर के सेवा निर्यात के लक्ष्य को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों तथा दुनिया के प्रत्येक हिस्से से दबाव की खबरों के बीच कुल मिलाकर यह एक बहुत ही संतोषजनक साल होगा। सरकार के संरचनात्मक सुधारों तथा मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे कदमों के नतीजे दिखने लगे हैं। अप्रैल-दिसंबर 2022-23 के दौरान कुल निर्यात नौ प्रतिशत बढ़कर 332.76 अरब डॉलर हो गया जबकि आयात 24.96 प्रतिशत बढ़कर 551.7 अरब डॉलर रहा है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में व्यापार घाटा बढ़कर 218.94 अरब डॉलर हो गया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 136.45 अरब डॉलर रहा था। पिछले वित्त वर्ष में देश का वस्तुओं का निर्यात 422 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

एप्पल ने आईओएस 16 के लिए तीसरा बड़ा अपडेट आईओएस 16.3 जारी किया

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज एप्पल ने आईओएस 16 ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) के लिए तीसरा बड़ा अपडेट आईओएस 16.3 जारी किया है, जिसमें एप्पल आईडी, नए होमपैड सपोर्ट, बग फिक्स और बहुत कुछ के लिए सुरक्षा कीस हैं।मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, संगत आईफोन और आईपैड पर, आईओएस 16.3 को सेटिंग- जनरल- सॉफ्टवेयर अपडेट पर नेविगेट करके ओवर-द-एयर डाउनलोड किया जा सकता है। हालांकि, मांग अधिक होने के कारण प्रत्येक उपयोगकर्ता तक अपडेट पहुंचने में कुछ मिनट लग सकते हैं। नया अपडेट एप्पल आईडी के लिए सुरक्षा कीस पेश करता है जो उपयोगकर्ताओं को एप्पल आईडी लॉगिन के लिए उपयोग किए जाने वाले डिजिटल टू-फैक्टर प्रमाणीकरण के बजाय भौतिक टू-फैक्टर प्रमाणीकरण की अनुमति देगा। इसके अलावा, अपडेट में दूसरी पीढ़ी के होमपॉड के समर्थन के साथ एक नया यूनिटी वॉलपेपर भी है। आईओएस 16.3 अपडेट के साथ, टेक दिग्गज ने उन बगों को भी ठीक किया है जिनके कारण आईफोन 14 प्रो मैक्स पर होरिजोंटल लाइन्स अस्थायी रूप से दिखाई देती हैं और एक बग जिसके परिणामस्वरूप होम लॉक स्क्रीन विजेट होम एप्लिकेशंस स्थिति को सटीक रूप से प्रदर्शित नहीं करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहला आईओएस 16 ओएस पिछले साल सितंबर में आया था और आईओएस 16.3 आईओएस 16.2 के लॉन्च के एक महीने बाद आया, एक अपडेट जिसमें फ्रीफॉर्म ऐप, एप्पल म्यूजिक सिंग, उन्नत डेटा संरक्षण और बहुत कुछ शामिल है।

स्ट्रेलियाई ओपन : बोपन्ना और सानिया मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न । भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा की जोड़ी आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। बोपन्ना और सानिया को येलेना ओस्टापेंको और डेविड वेगा हर्नांडिज के नहीं उतरने से वॉकओवर मिल गया। यह जोड़ी अभी तक मिश्रित युगल वर्ग में एक भी सेट नहीं हारी है। अब इस जोड़ी का सामना सामना डिसायर के और नील स्कूपस्की और टेलर टाउनसेंड तथा जैमी मर्रे के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा। वहीं इससे पहले बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पुरूष युगल के पहले दौर में ही हार के साथ बाहर हो गई थी जबकि सानिया और उनकी जोड़ीदार कजाखस्तान की अन्ना दानिलिना की जोड़ी भी महिला युगल में भी दूसरे दौर में हार गयी थी।

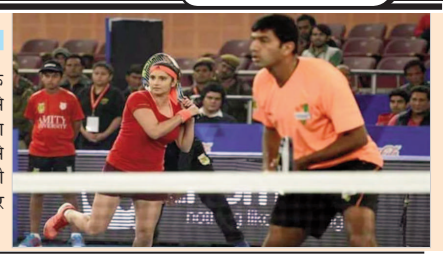

मंधाना, हरमनप्रीत की शानदार बल्लेबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को हराया

(एजेंसी)। स्मृति मंधाना (74 नाबाद) और हरमनप्रीत कौर (56 नाबाद) के शानदार अर्धशतकों की मदद से भारतीय महिला टीम ने यहां टी20 ट्राई सीरीज में वेस्टइंडीज को 56 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, एशियाई टीम का कुल 167/2 कैरेबियाई टीम के लिए बहुत अधिक था। मंधाना और हरमनप्रीत ने नाबाद 115 रन की शानदार साझेदारी की, मंधाना ने विशेष रूप से आसानी से बाउंड्री लगाई और यहां तक कि पारी के अंतिम ओवर में अफी फ्लेचर की गेंदबाजी को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। वेस्टइंडीज को भारत के बड़े टोटल का पीछा करने के किसी भी मौके के लिए तेज शुरूआत की जरूरत थी और दीप्ति शर्मा (2/29) और राजेश्वरी गायकवाड़ (1/16) ने सात ओवर में हेली मैथ्यूज की टीम को 25/3 पर कर दिया। शेमेन कैंपबेल (47) और मैथ्यूज (34 नाबाद) ने स्कोरिंग रेट बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन भारत की गेंदबाजों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की थी कि वे दक्षिण अफ्रीका पर पहली जीत के बाद श्रृंखला में नाबाद रहें। वेस्टइंडीज को भारत के बड़े टोटल का पीछा करने के किसी भी मौके के लिए तेज शुरूआत की जरूरत थी और दीप्ति शर्मा (2/29) और राजेश्वरी गायकवाड़ (1/16) ने सात ओवर में हेली मैथ्यूज की टीम को 25/3 पर कर दिया।

महिला टी20 रैंकिंगः हरमनप्रीत तीन पायदान की छलांग से 11वें स्थान पर, दीप्ति करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचीं

दुबई, भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने पहले दो मैच जीतने के बाद मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गई। जहां हरमनप्रीत की वेस्टइंडीज के खिलाफ 35 गेंद में नाबाद 56 रन की पारी ने उन्हें दुनिया की शीर्ष 10 के आसपास पहुंचा दिया, वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली जीत में आलराउंडर दीप्ति शर्मा की 33 रन की पारी ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंचा दिया। दीप्ति भी ताजा साप्ताहिक अपडेट में हरफनमौला खिलाड़ियों में एक स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर काबिज हो गई हैं। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अपने देश की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज के रूप में तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं, जो नौ रेटिंग अंक अर्जित कर 736 अंक तक पहुंच गई हैं। मंधाना पिछले साल सितंबर में दूसरे स्थान पर थीं और अब 814 अंकों के साथ ताहलिया मैक्ग्रा की अगुवाई वाली सूची में बेथ मूनी से 24 अंक पीछे हैं।

हरमनप्रीत आईसीसी महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर की बनीं कप्तान

नई दिल्ली,

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को 2022 के लिए आईसीसी महिला वनडे टीम का कप्तान बनाया है, जिसमें उनकी साथी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह भी शामिल हैं वर्ष 2022 की आईसीसी महिला टी20 टीम में एलिसा हीली (आस्ट्रेलिया), लौरा वोल्वार्ट (दक्षिण अफ्रीका), नट साइवर (इंग्लैंड), बेथ मूनी (आस्ट्रेलिया), अमेलिया केर (न्यूजीलैंड), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), अयाबोंगा खाका (दक्षिण अफ्रीका) और शबनम इस्माइल (दक्षिण अफ्रीका) अन्य खिलाड़ी हैं। मंधाना 2022 में शानदार रहीं, क्योंकि उन्होंने कैलेंडर वर्ष के लिए एक शतक और छह अर्धशतक लगाए। उन्होंने न्यूजीलैंड में विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार 123 रन बनाए, लेकिन इंग्लैंड में 26 वर्षीय मंधाना ने सितंबर में होव में 91 रनों की शानदार पारी खेली और उसके बाद 40 और 50 रनों की पारियों के साथ साल का अंत किया। अनुभवी आलराउंडर हरमनप्रीत विश्व क्रिकेट में सबसे लगातार प्रदर्शन करने वालों में से एक हैं। उन्होंने कैलेंडर वर्ष के दौरान दो शतक और पांच अर्धशतक लगाए, सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 143 रन बनाए। 33 वर्षीय हरमनप्रीत ने भी पांच मूल्यवान विकेटों के साथ अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी की। रेणुका ने 2022 की शुरूआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया, लेकिन 50 ओवर के असफल विश्व कप अभियान के दौरान मजबूत भारत टीम में शामिल नहीं हो सकीं।

सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं : विनेश फोगाट

(एजेंसी)

हलवानों और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के बीच चल रहे झगड़े के बीच, ओलंपियन विनेश फोगाट ने एक गुप्त पोस्ट साझा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। बृजभूषण शरण पर महिला पहलवानों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाने वाली विनेश ने ट्वीट किया, सच्चाई परेशान हो सकती है, लेकिन पराजित नहीं।उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, अगर मंजिल बड़ी है तो हौसला बुलंद रखिए।विनेश का ट्वीट उस रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें दावा किया गया था कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख द्वारा साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया सहित कई पहलवानों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि, शरण सिंह ने एक ट्वीट में स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार, विरोध करने वाले पहलवानों और समाचार चैनलों के खिलाफ मेरे या मेरे साथ जुड़े किसी भी अधिकृत व्यक्ति द्वारा कोई याचिका प्रस्तुत नहीं की गई है। मैंने किसी वकील, कानून एजेंसी या अन्य किसी को अधिकृत नहीं किया है। पहलवान बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और कई अन्य पहलवानों ने 18 जनवरी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई पर अपने कोचों और अध्यक्ष द्वारा पहलवानों के उत्पीड़न के रूप में चयन में मनमानी, कुप्रबंधन, कुशासन और पूर्वाग्रह का आरोप लगाया है।शुक्रवार रात खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ लंबी बैठक करने और सरकार से उनकी शिकायतों के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद नाराज पहलवानों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः पेगुला को हराकर अजारेंका 10 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचीं

मेलबर्न,

दो बार की आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका ने 10 साल के अंतराल के बाद मंगलवार को 1 घंटे 37 मिनट में नंबर 3 सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को 6-4, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अजारेंका 2013 के खिताबी मुकाबले के बाद से मेलबर्न में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंची हैं। वह 2020 यूएस ओपन के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल और कुल मिलाकर नौवां मुकाबला खेलेंगी।अंतिम चार में उसकी राह में विंबलडन चैम्पियन कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना हैं, जिन्होंने दिन में जेलेना ओस्तापेंको को सीधे सेटों में हराया। मंगलवार का परिणाम 2012 यूएस ओपन सेमीफाइनल में मारिया शारापोवा को हराने के बाद से अजारेंका की पहली शीर्ष 5 जीत है। इसके अलावा, वह आस्ट्रेलियन ओपन में 47 मुख्य ड्रा जीत के साथ आगे बढ़ी, ओपन युग में महिला एकल में सबसे अधिक जीत के लिए स्टेफी ग्राफ की बराबरी की।अजारेंका ने कहा, उसकी स्थिरता और निरंतरता लाजवाब थी। मैं उनके बारे में केवल पिछले साल के बारे में नहीं कहूंगी, बल्कि मैं उससे पहले के सालों के बारे में भी कहूंगी। वह एक अविश्वसनीय खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे यहां (एओ 2021 में) हराया था, इसलिए मैं निश्चित रूप से बदला लेना चाहती थीं। वह मेरी बहुत अच्छी दोस्त है। मैं उन्हें प्यार करती हूं। हमारे बीच हर बार वास्तव में कड़ा मुकाबला होता है। इगा स्वीयाटेक और कोको गॉफ की हार के बाद वर्ल्ड नंबर 3 पेगुला ने खुद को सर्वोच्च रैंक के दावेदार के रूप में पेश किया। पेगुला ने कहा, यह एक दिलचस्प एहसास है, मुझे लगता है। मैं अभी भी वास्तव में ऐसा महसूस नहीं कर रही हूं। मैं ड्रॉ को देखती हूं और आपके पास (एलेना) रिबाकिना है, जिन्होंने पिछले साल विंबलडन जीता था, आपके पास वीका (अजारेंका) हैं जो वास्तव में यहां अच्छा प्रदर्शन करती हैं। इससे पहले मौजूदा विम्बलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ने पूर्व मेजर विजेता लातविया की जेलेना ओस्तापेंको को लगातार सेटों में

हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।22वीं सीड कजाखस्तान की रिबाकिना ने 2017 की फ्रेंच ओपन चैंपियन ओस्तापेंको को एक घंटे 19 मिनट में 6-2, 6-4 से पराजित किया और मेलबर्न पार्क के अंतिम चार में पहुंचने वाली कजाखस्तान की पहली महिला बन गयीं। 22वीं सीड कजाखस्तान की रिबाकिना ने 2017 की फ्रेंच ओपन चैंपियन ओस्तापेंको को एक घंटे 19 मिनट में

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस, सिराज आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर में शामिल

नई दिल्ली, भारत के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 2022 के लिए आईसीसी मेन्स वनडे टीम आफ द ईयर में शामिल किया गया है, जिसका नेतृत्व पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम कर रहे हैं। वर्ष 2022 की पुरुष वनडे टीम में ट्रेविस हेड (आस्ट्रेलिया), शाई होप (वेस्टइंडीज), टॉम लाथम (न्यूजीलैंड), सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे), मेहदी हसन मिराज (बांग्लादेश), अल्जारी जोसेफ (वेस्ट इंडीज), ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड) और एडम जम्पा (आस्ट्रेलिया) अन्य नामों में शामिल हैं।अय्यर 2022 से 50 ओवर के प्रारूप में भारत के सबसे सुसंगत खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे, जबकि उनकी मध्य-क्रम की बल्लेबाजी ने सबको प्रभावित किया। अधिकतर नंबर 4 पर खेलते हुए, उन्होंने कैलेंडर वर्ष के दौरान 17 मैच खेले और 55.69 की औसत से 724 रन बनाए। 28 वर्षीय अय्यर ने 91.52 की तेज गति से रन बनाए, जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 भारत में होने वाला है, अय्यर भारतीय वनडे टीम में एक नियमित स्थिरता बनने के लिए बढ़ गए हैं। दूसरी ओर, सफेद गेंद के क्रिकेट में सिराज का कौशल, विशेष रूप से 2022 में 50 ओवर के प्रारूप में तेजी से विकसित हुआ है। जसप्रीत बुमराह के चोट के कारण उनकी अनुपस्थिति में, सिराज भारत के तेज गेंदबाजी विभाग के सबसे शक्तिशाली हथियार के रूप में उभरे।28 वर्षीय अय्यर ने 91.52 की तेज गति से रन बनाए, जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 भारत में होने वाला है, अय्यर भारतीय वनडे टीम में एक नियमित स्थिरता बनने के लिए बढ़ गए हैं।

बेंगलुरु टॉरपीडोज के मुख्य कोच डेविड ने कहा, पीवीएल ने वॉलीबॉल को किया तैयार

बेंगलुरु, प्राइम वॉलीबॉल लीग के दूसरे सीजन की यहां 4 फरवरी को रोमांचक शुरूआत होगी। बेंगलुरु टॉरपीडोज लीग के दूसरे सीजन की शुरूआत कोच डेविड ली के रूप में एक नए मार्गदर्शक के साथ करेगा। तीन बार के ओलंपियन, ली पीवीएल के पहले सीजन में एक शानदार खेल करियर के समापन के बाद बेंगलुरु टॉरपीडोज के साथ अपनी कोचिंग यात्रा शुरू कर रहे हैं। डेविड ने बड़े उत्साह के साथ कहा, मैं प्राइम वॉलीबॉल लीग के सीजन 2 के लिए बेंगलुरु टॉरपीडोज को प्रशिक्षित करने के अपने नए अवसर के लिए बेहद उत्साहित हूं। चैंपियनशिप को चलाने के लिए तैयारी करने के लिए हमारे पास कुछ सप्ताह होंगे। विश्व लीग के 2008 और 2014 में एक स्वर्ण पदक विजेता, उन्होंने लीग में पिछले सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में कालीकट हीरोज की लाइनअप में भाग लिया। डेविड ली ने इस बारे में बात की है कि कैसे लीग में एक खिलाड़ी के रूप में उनका अनुभव उन्हें इस बार कोच के रूप में बढ़त दिलाएगा, इस लीग में एक खिलाड़ी होने के नाते मुझे उन चुनौतियों के बारे में जानकारी मिली है जिनका हमारी टीम सामना करती है। सुपर पॉइंट, सुपर सर्विस और शॉर्ट सेट स्कोर को समझना और जीतने की रणनीति तैयार करने के लिए इस अनुभव का उपयोग करना।

हॉकी वर्ल्ड कपः ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

भुवनेश्वर,

गोलकीपर एंड्रयू कार्टर ने अंतिम हूटर से पांच मिनट पहले मार्क मिरालेस के पेनल्टी स्ट्रोक को बचाया, जिससे आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 के पहले क्वार्टर फाइनल में स्पेन पर 4-3 से जीत हासिल करने के लिए दो गोल की कमी से वापसी की। आस्ट्रेलिया पांच मिनट शेष रहते 4-3 से आगे चल रहा था जब स्पेन ने पेनल्टी स्ट्रोक अर्जित किया। लेकिन अनुभवी कार्टर ने शॉट का सही अनुमान लगाया और उसे बचा लिया। अगर स्पेन ने वह गोल कर दिया होता तो वह मैच को शूट आउट में ले जाता। इसके बजाय, आस्ट्रेलिया शेष समय से बच गया और सेमीफाइनल में अपनी जगह को सील कर दिया, जहां वे इंग्लैंड और जर्मनी के बीच चौथे क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा। आस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (32वें मिनट और 36वें मिनट) ने दो गोल किए, जबकि फ्लिन ओगिल्वी (29वें मिनट) और एरान जालेवस्की (31वें मिनट) ने आस्ट्रेलिया के स्कोर में एक-एक गोल का योगदान दिया। जेवियर गिस्पर्ट (19वें मिनट) और मार्क रेकासेन्स ने स्पेन को 2-0 की बढ़त दिलाई थी, लेकिन वर्ल्ड नंबर 1 ने न केवल स्कोर बराबर करने के लिए संघर्ष किया, बल्कि हेवर्ड ने पांच मिनट के भीतर दो पेनल्टी कार्नर गोल दागकर आस्ट्रेलिया को 4-2 से आगे कर दिया। आस्ट्रेलिया पांच मिनट शेष रहते 4-3 से आगे चल रहा था जब स्पेन ने पेनल्टी स्ट्रोक अर्जित किया। लेकिन अनुभवी कार्टर ने शॉट का सही अनुमान लगाया और उसे बचा लिया। अगर स्पेन ने वह गोल कर दिया होता तो वह मैच को शूट आउट में ले जाता। इसके बजाय, आस्ट्रेलिया शेष समय से बच गया और सेमीफाइनल में अपनी जगह को सील कर दिया, जहां वे इंग्लैंड और जर्मनी के बीच चौथे क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर क्लार्क ने जताई नाराजगी

सिडनी, पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने मंगलवार को भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलियाई टीम की नीति की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि उन्होंने मुश्किल भारतीय परिस्थितियों की तैयारी के लिए अभ्यास मैच नहीं खेलने का विकल्प क्यों चुना। आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम अगले हफ्ते भारत के लिए उड़ान भरेगी, जिससे उन्हें बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से पहले तैयारी के लिए कुछ ही दिन मिलेंगे, जो 9 फरवरी से नागपुर में शुरू हो रही है। फॉक्स स्पोर्ट्स ने बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर क्लार्क के हवाले से कहा, यह वह हिस्सा है जिसे मैं नहीं समझ पा रहा हूं। भारत में शुरूआती टेस्ट से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं है। मुझे उम्मीद है कि मैं गलत साबित हो रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण होने जा रहा है। उन्होंने कहा, वनडे क्रिकेट और टी20 क्रिकेट में उन परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना एक बात है, टेस्ट क्रिकेट में भारतीय परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया में आप जो खेल रहे हैं, उसके लिए आपको पूरी तरह से अलग योजना की आवश्यकता है, जिस तरह से आप स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी पारी की शुरूआत करते हैं, जिस तरह से आप रिवर्स स्विंग खेलते हैं, आस्ट्रेलियाई सीजन के दौरान हमने कोई रिवर्स स्विंग नहीं देखी, मैच दो, तीन-दिन में ही खत्म हो गए थे। उन्होंने आगे कहा, तो भारत में रिवर्स स्विंग एक बड़ी भूमिका निभाने जा रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि भारत कम से कम दो स्पिनर को मैच में मौका देगा, इसलिए यह पूरी तरह से अलग मैच है। क्लार्क ने कहा कि आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के लिए पारी की शुरूआत करना मुश्किल होगा अगर उन्होंने भारतीय परिस्थितियों में पर्याप्त समय नहीं बिताया। उन्होंने आगे कहा, तो भारत में रिवर्स स्विंग एक बड़ी भूमिका निभाने जा रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि भारत कम से कम दो स्पिनर को मैच में मौका देगा, इसलिए यह पूरी तरह से अलग मैच है।

पीसीबी प्रमुख सेठी बोले रावलपिंडी स्टेडियम को डिमेरिट अंक से बचाया

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नये अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि उन्होंने : रावलपिंडी स्टेडियम को डिमेरिट अंक (नकारात्मक) अंक मिलने से बचाया है। आईसीसी ने पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच यहां हुए टेस्ट मैच में खराब पिच के कारण रावलपिंडी स्टेडियम को डिमेरिट अंक दिया था जो अब उसने वापस ले लिया है। सेठी ने कहा कि उन्होंने इस मामले में आईसीसी को एक कड़ा पत्र भेजकर फैसले पर सवाल उठाये थे। सेठी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि मेरे अध्यक्ष बनते ही हमने आईसीसी को काफी लंबा पत्र लिखा था जिसमें यह बताया था कि दूसरे मैदानों में भी इससे खराब पिच थी पर उन्हें डिमेरिट अंक नहीं दिया गया था। साथ ही यह भी कहा कि इंग्लैंड के साथ मुकाबले में मैच का परिणाम निकला था। ऐसे में किस आधार पर डिमेरिट अंक दिये जा सकते हैं। यह खुशी की बात है कि आईसीसी ने हमारा पक्ष सही मानते हुए डिमेरिट अंक वापस ले लिया है।

शुभमन गिल ने 3 मैच में 360 रन ठोककर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

महान सचिन तेंदुलकर से निकले आगे

(एजेंसी)

शानदार फॉर्म में चल रहे भारत के ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने मंगलवार (24 जनवरी) को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक जड़कर इतिहास रच दिया। सीरीज में अपना दूसरा शतक जड़ते हुए गिल ने 78 गेंदों में 13 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस शतकीय पारी के साथ उन्होंने कई कीर्तिमान बना दिए।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की

तीन वनडे मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। शुभमन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इस सीरीज में 3 पारियों में 360 रन बनाए, जिसमें पहले वनडे में उन्होंने दोहरा शतक जड़ा था। इससे पहले पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम ने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में 360 रन बनाए थे।

तोड़ा शिखर धवन का रिकॉर्ड

गिल ने वनडे में भारत के लिए सबसे तेज 4 शतक जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 21 पारियों में यह कारनामा किया। इस लिस्ट में गिल ने शिखर धवन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 24 पारी में पहले 4 वनडे शतक जड़े थे।

सचिन तेंदुलकर को पछाड़ा

गिल ने वनडे में बतौर भारतीय ओपनर 1000 रन पूरे कर लिए हैं और उन्होंने सबसे तेज 17 पारियों में यह कारनामा किया है। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने बतौर ओपनर 20 पारियों 1000 रन पूरे किए थे। गौरतलब है कि इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत धमाकेदार रही। गिल ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 26.1 ओवर में 212 रनों की साझेदारी की। रोहित ने 85 गेंदों 101 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने नौ चौके और छह छक्के जड़े।

भारतीय महिला हॉकी टीम नीदरलैंड से 1-3 से हारी

केपटाउन, चार मैचों की श्रृंखला में घरेलू टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद, जिसे भारतीय महिला हॉकी टीम ने 3-0 से जीता था, सविता की अगुआई वाली टीम को यहां कड़े मुकाबले में विश्व नंबर 1 नीदरलैंड से 1-3 से हार का सामना पड़ा।भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के अपने दौरे के हिस्से के रूप में नीदरलैंड के खिलाफ तीन मैच खेलने हैं। अच्छी फॉर्म में चल रही भारतीय टीम ने मैच के 24वें मिनट में युवा सनसनी ब्यूटी डुंगडुंग के शानदार मैदानी गोल से आक्रामक शुरूआत की। हालांकि 1-0 की बढ़त ने भारत को मजबूत शुरूआत दी, लेकिन बढ़त ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और नीदरलैंड ने 29वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह फेलिस एल्बर्स द्वारा परिवर्तित एक पीसी था। जबकि दोनों टीमों द्वारा तीसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन नीदरलैंड अंतिम क्वार्टर में हमला करने में आगे रहे और बोर्ड पर 3-1 के साथ मैच समाप्त करने के लिए दो महत्वपूर्ण गोल किए। यह यिब्बी जानसेन और फ्रीके मोस थीं, जिन्होंने नीदरलैंड्स की जीत में गोल दागे। हालांकि 1-0 की बढ़त ने भारत को मजबूत शुरूआत दी, लेकिन बढ़त ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और नीदरलैंड ने 29वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह फेलिस एल्बर्स द्वारा परिवर्तित एक पीसी था।

लोकसभा चुनाव से पहले कुछ हिस्सों में दौड़ सकती है बुलेट ट्रेन

अहमदाबाद। अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए गुजरात में 25 किमी से अधिक पुल का निर्माण पूरा हो गया है। इसमें वड़ोदरा के निकट 5.7 किमी निरंतर वायाडक्ट और विभिन्न अन्य स्थानों पर 19.58 किमी शामिल है। बुलेट ट्रेन पर काम तेजी से चल रहा है। कुछ हिस्सों में साल 2024 से पहले बुलेट ट्रेन चलने की उम्मीद है। हालांकि पूरी बुलेट ट्रेन परियोजना वर्ष 2027 में पूरी होने की संभावना है। वायडक्ट एक ऊंचा कंक्रीट पुल जैसी संरचना है जो वास्तविक ट्रैक और सिस्टम को वहन करती है। फिलहाल गुजरात के आठ जिलों और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरने वाली लाइन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। 236. 6 किमी की लंबाई के लिए ढेर लगाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 154.3 किमी से अधिक की नींव और 133.8 किमी के पियर का निर्माण किया गया है। इसके अलावा 44.4 किमी में 1000 से अधिक गर्डर बिछाए गए हैं। नर्मदा तापी माही और साबरमती पर भी महत्वपूर्ण पुलों का काम चल रहा है। विशेष रूप से इस सप्ताह जापान और भारत की सरकारों के शीर्ष अधिकारी चालू परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर समीक्षा बैठकें करेंगे। गुजरात और दादरा और नगर हवेली में कॉरिडोर के पूरे 352 किलोमीटर के हिस्से में सिविल कार्यों पुलों और स्टेशनों आदि के निर्माण के लिए सभी ट्रैक अनुबंध अब दिए गए हैं। पिछले दो वर्षों में सभी संबंधित लंबी चलने वाली प्रक्रियाओं के बाद निविदाओं की घोषणा करने बोलियों का मूल्यांकन करने और अनुबंध देने की गति तेज हुई है। जानकारी के मुताबिक प्रोजेक्ट का पहला सिविल कॉन्ट्रैक्ट 28 अक्टूबर 2020 को दिया गया था। वापी से साबरमती तक आठ स्टेशनों पर विभिन्न चरणों में काम किया जा रहा है। वर्षों तक ठप रहने के बाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने हाल ही में गति पकड़ी है जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है जहाँ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के सक्रिय समर्थन से लगभग सभी भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। पूरी परियोजना 2027 में पूरी हो सकती है। हालांकि लोकसभा चुनाव से पहले यानी साल 2024 से पहले कुछ हिस्सों में बुलेट ट्रेन चलाई जा सकती है।

एसओजी क्राइम ने 32 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पेडलर को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। शहर के सारंगपुर क्षेत्र से एसओजी क्राइम ने एमडी ड्रग्स बेचने वाले पेडलर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए शख्स के पास से 32 ग्राम एमडी ड्रग्स भी बरामद हुआ है। आरोपी का पिता भी ड्रग्स पेडलर था और उसकी वजह से भी ड्रग्स का आदी हो गया और बाद में इसका धंधा शुरू कर दिया है। दरअसल अहमदाबाद एसओजी क्राइम को सूचना मिली थी कि अब्दुल वाजिद नामक शख्स शहर के सारंगपुर पानी की टंकी निकट ड्रग्स बेचने आ रहा है। सूचना के आधार पर एसओजी क्राइम ने फिल्डिंग लगा दी और जैसे ही अब्दुल वाजिद सारंगपुर पानी की टंकी के पास पहुंचा पुलिस ने उसे दबोच लिया। अब्दुल वाजिद के पास से पुलिस ने 32 एमडी ड्रग्स भी बरामद कर लिया है जिसे वह बेचने सारंगपुर जा रहा था। गौर करनेवाली बात यह है कि अब्दुल वाजिद बचपन से ड्रग्स से जुड़ा हुआ है और इसका कारण उसके पिता अब्दुल वाहिद है। अब्दुल वाहिद भी ड्रग्स पेडलर था और पिता के इसी धंधे की वजह से अब्दुल वाजिद भी ड्रग्स का आदी हो गया। बाद में उसने भी ड्रग्स का धंधा शुरू कर दिया। अब्दुल वाजिद वाहन चोरी के मामले में भी गिरफ्तार हो चुका है और पिछले कई वर्षों से ड्रग्स सेवा के साथ ही इसे बेचता भी था। अब्दुल वाजिद से पूछताछ में अहमदाबाद के शाहआलम क्षेत्र के एक और ड्रग्स पेडलर के नाम का खुलासा हुआ है। अब्दुल ने बताया कि शाहआलम में रहनेवाले राशिद नामक शख्स से वह ड्रग्स लेकर छोटी छोटी बनाकर बेचता था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने राशिद को गिरफ्तार करने के लिए अलग अलग टीमें बनाकर उसकी तलाश शुरू की है।

झांझरडा के राजभारती बापु ने कनपटी पर गोली मारकर किया स्युसाइड

जूनागढ़। झांझरडा स्थित खेतलियादादा आश्रम के महंत राजभारती बापु ने अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। महिला के साथ आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद राजभारती ने यह कदम उठाया। इतना ही राजभारती पर आरोप है कि उनके अनेक महिलाओं के साथ नाजायज संबंध थे और वह एक विधर्मी थे। जानकारी के मुताबिक राजभारती ने खडिया गांव स्थित अपने बाग में लाइससी पिस्तौल से अपनी कनपटी पर गोली मार ली। घटना के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। दरअसल राजभारती के महिला के साथ कई ऑडियो और शराब के साथ वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में उनके चरित्र को लेकर सवाल उठने लगे थे। ऑडियो में राजभारती कई विवादित बातें करते हुए सुने जाते हैं। जिसमें वह महिला के साथ पति-पत्नी के संबंधों की भी बात करते हैं। वह यह भी कहते सुने जा रहे हैं कि मां को सब कुछ पता नहीं है तू चिंता मत कर। कुछ दिन पहले राजभारती का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह शराब और सिगरेट पीते दिखाई दे रहे हैं।

इसके अलावा उनके किसी युवती के साथ तस्वीरें भी वायरल हुई थीं। साथ ही खेतलियादादा आश्रम के नाम से एक पत्र भी वायरल हो रहा है। जिसमें आत्महत्या करने वाले राजभारती पर आरोप लगाया गया है कि वह विधर्मी है और धर्म परिवर्तन कर साधु बना है। इतना ही नहीं साधु ने साधुता को कलंक लगाया है और कई भोली भाली महिलाओं को फंसाकर उनके साथ नाजायज संबंध बनाए जाने का भी पत्र में दावा किया गया है।

भारत का सबसे बड़ा स्मारक और संग्रहालय 'स्मृति वन': 4 महीने में पहुंचे 2.80 लाख से अधिक आगंतुक

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त 2022 को कच्छ के भुज शहर में स्मृति वन का लोकार्पण किया था। 26 जनवरी 2001 को आए विनाशक भूकंप ने कच्छ को पूरी तरह से तबाह कर दिया था। उस भूकंप का शिकार बने लोगों नागरिकों की याद में इस स्मृति वन का निर्माण किया गया है। 20 जनवरी तक केवल चार महीनों की अवधि में ही 2 लाख 80 हजार लोग इस स्मारक को देख चुके हैं जबकि इसी दौरान संग्रहालय को देखने के लिए 1 लाख 10 हजार से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में विकासोन्मुखी विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य जारी है। इससे समाज की पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक खुशहाली पहुंची है।

फिटनेस योग क्लास ओपन माइक और संगीत के कार्यक्रम

भुज और राज्य के नागरिकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से यहां योग क्लास और वर्कशॉप ओपन माइक स्केटिंग के कार्यक्रम जुम्बा गेट टुगेदर मतदान जागरूकता कार्यक्रम संगीत के कार्यक्रम और 21000 से अधिक दीयों से भूकंप में दिवंगतों की शांति के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके चलते स्मृति वन एक सांस्कृतिक केंद्र भी बना है जहां भुज सहित आसपास के क्षेत्रों से लोग आ रहे हैं।

संग्रहालय देख अभिभूत हुई जानी-मानी हस्तियां

अपने-अपने क्षेत्र के कई दिग्गजों ने भुजिया डूंगर (पहाड़ी) पर बने इस संग्रहालय की प्रशंसा की है। इसमें प्रसिद्ध राजनेता सशस्त्र बलों के अधिकारी सफल सीईओ क्रिकेटर अभिनेता पूर्व मुख्यमंत्री भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सहित अन्य महानुभाव शामिल हैं।

आगंतुकों की प्रतिक्रियाएं

"मैं अपने देशवासियों से विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि हमारा स्मृति वन दुनिया के कुछ श्रेष्ठ स्मारकों और संग्रहालयों की तुलना में एक कदम भी पीछे नहीं है। मैं कच्छ के लोगों से निवेदन करना चाहता हूं कि जब कभी आपके घर में कोई मेहमान आए तो कृपया उन्हें स्मृति वन दिखाए बिना वापस न जाने दें। मैं कच्छ के शिक्षा विभाग से भी निवेदन करना चाहूंगा कि जब भी शैक्षिक प्रवास का आयोजन किया जाए तब स्कूल के बच्चों को यहां लाया जाए।"

– **नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री**

"2001 के भूकंप के सार को जितने अच्छे तरीके से यहां ग्रहण किया गया है यह एक विनम्र अनुभव है। यह हमें प्रकृति का आदर करना सिखाता है और यह भी सिखाता है कि प्रकृति हमारे जीवन में कितनी अहम भूमिका निभाती है। हमने जो जीवन गंवाया वह बहुत ही दु:ख का क्षण था। मैं भूकंप से प्रभावित हुए लोगों के पुनर्वास के लिए अथक मेहनत करने वाली टीम को बधाई देता हूं। मैं स्मृति वन के निर्माण से जुड़ी टीम की भी प्रशंसा करना चाहता हूं। प्रभावित लोगों की स्मृति को चिरंजीवी बनाए रखने और भावी पीढ़ी को आपदा की तैयारी के महत्व को लेकर शिक्षित करने के संग्रहालय के प्रयासों की सराहना करता हूं।"

विवाह वांच्छुक हिन्दू युवकों को फंसाने वाली गैंग का पर्दाफाश दलाल समेत 4 लोग गिरफ्तार

अमरेली । नाम बदल कर विवाह वांच्छुक हिन्दुओं को फांसने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर अमरेली पुलिस ने एक दलाल समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन मुस्लिम महिलाएं और एक हिन्दू शख्स शामिल है। घटना अमरेली जिले के सावरकुंडला की है। जहां गत अक्टूबर महीने में निकुंज माधवाणी नामक युवक के साथ सेजल नामक युवती की शादी हुई थी। निकुंज और सेजल की शादी किशोर मिस्त्री नामक शख्स ने करवाई थी और वह भी अपने घर में। इस मौके पर किशोर मिस्त्री के अलावा सेजल की माता गीता और काजल नामक एक युवती भी मौजूद थी। शादी के बाद 8 दिनों तक पति के घर रहने के बाद सेजल अपने घर राजस्थान चली गई। जहां से वापस नहीं लौटने पर निकुंज ने किशोर मिस्त्री से संपर्क किया। शुरुआत में उसने बहानेबाजी की और बाद में पल्ला झाड़ लिया। जिसके बाद निकुंज ने सेजल से संपर्क किया। तब सेजल ने बताया कि उसका असली नाम मुश्कान है और मेरी मां का नाम गीता नहीं बल्कि परवीन है। इतना ही नहीं सेजल उर्फ मुश्कान यह भी बताया कि वह एक बच्चे की मां है। सेजल की बात सुनकर निकुंज को ठगे जाने का अहसास हुआ और उसने सावरकुंडला पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सूरत से सेजल उर्फ मुश्कान गीता उर्फ परवीन काजल और मुख्य सूत्रधार किशोर मिस्त्री को गिरफ्तार कर लिया। किशोर मिस्त्री ने सेजल से शादी कराने के लिए निकुंज माधवाणी से रु. 1.90 लाख लिए थे। पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि किशोर मिस्त्री ने इससे पहले सावरकुंडला के दोलती गांव और बाबरा तहसील में सेजल की अन्य युवकों के साथ शादी करवाई थी। किशोर मिस्त्री ने इस प्रकार अन्य कितने लोगों को ठगा है इसकी जांच के लिए उसके रिमांड प्राप्त करने की दिशा में पुलिस ने कवायद तेज की है। साथ ही इस लुटेरे दुल्हन द्वारा ठगे गए लोगों से सावरकुंडला पुलिस थाने से संपर्क करने का अनुरोध किया है।

विश्व हिंदू परिषद लिंबायत जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर डिंडोली में अमित शुक्ला जी का भव्य स्वागत किया गया

सूरत डिंडोली में नुक्कड़ गमछे के साथ किया गया। इस वाली चाय पर आज विश्व अवसर पर उमेश भाई तिवारी, हिंदू परिषद लिंबायत जिला सूरज तिवारी,नवनीत पांडेय, अध्यक्ष बनाए जाने पर अमित संजय तिवारी, शिवम दुबे, शुक्ला जी का स्वागत भगवा नरेन्द्र तिवारी ,अंकित पांडेय ,प्रमोद उपाध्याय ,अंकुश बरनवाल, आशीष उपाध्याय, पिंटु शुक्ला,प्रवीन पांडे , सूर्य प्रकाश शुक्ला (दल्लू शुक्ला), उपस्थित थे। इस अवसर पर उमेश तिवारी ने बताया कि समाज को ऐसे ही एक नेतृत्व की जरूरत है विश्व हिंदू परिषद द्वारा सही व्यक्ति का चुनाव किए जाने पर हृदय पूर्वक आभार व्यक्त करता हूं।

नवनीत पांडे ने कहा कि लिंबायत जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर सभी उत्तर भारतीयों ने उत्साह के साथ मिठाइयां बांटी और समाज के लिए गर्व की बात है!

गुरुवार को श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम पाटोत्सव में विशाल रथ एवं निशान यात्रा का आयोजन

सूरत। वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम का छठवां पाटोत्सव गुरुवार, बसंत पंचमी को मनाया जायेगा । इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा एक विशाल रथ एवं निशान यात्रा का आयोजन गुरुवार को सुबह आठ बजे से किया जायेगा । इस मौके पर वेसु स्थित कैपिटल ग्रीन अपार्टमेंट में बाबा का दरबार सजाया जायेगा । श्रृंगारित दरबार के समक्ष ज्योत प्रज्वलित कर निशान पूजा की जाएगी । उसके पश्चात् निशान यात्रा बैंड-बजा के साथ रवाना होगी । सभी भक्त श्याम मंदिर पहुँच कर बाबा की निशान अर्पण करेंगे । गुरुवार को पाटोत्सव कार्यक्रम में पूजा विधान, भजन संध्या आदि का आयोजन भी किया जायेगा । सभी भक्तों को बाबा का खजाना का वितरण किया जायेगा । पाटोत्सव पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम में मंगलवार को सुबह नौ बजे बाबा के गुम्बंद पर नई ध्वजा लगाई गयी । शाम छः बजे से मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का वचन किया गया । इस अवसर पर मंदिर प्रांगण भक्तों से भरा रहा । पाटोत्सव कार्यक्रम में बुधवार को शाम छः बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमे स्थानीय भजन गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे ।

परीक्षा निकट होने के बावजूद चुनाव कार्ड से आधार लिंक का काम सौंपने से शिक्षकों में रोष

अहमदाबाद। एक ओर राज्य में शिक्षकों की कमी है और दूसरी ओर सरकार सेवारत शिक्षकों से अलग अलग काम कराती रहती है। जिसका असर स्कूलों में विद्यार्थियों की शिक्षा पर होता है। ऐसे में चुनाव अधिकारी की ओर से चुनाव पहचान पत्र से आधार कार्ड लिंक करने का काम शिक्षकों को सौंपा गया है। 31 मार्च तक सभी मतदाताओं का संपर्क कर यह प्रक्रिया पूर्ण करने के आदेश से शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। इसके लिए सभी स्कूलों के बीएलओ का काम करने वाले शिक्षकों का जब तक कार्य पूरा ना हो तब तक बीएलओ को चालू स्कूल के दौरान राउंड द क्लॉक मुक्ति देने का आदेश प्रत्येक स्कूल के आचार्य को दिया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि अगर शिक्षक ऐसे कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? बोर्ड की परीक्षा निकट आ रही है और ऐसे में चुनाव पहचान पत्र से आधार लिंक करने का कार्य सौंपे जाने से शिक्षा कार्य प्रभावित होगा। दूसरी ओर शिक्षकों का कहना है कि यह प्रक्रिया ऑनलाइन कराई जा सकती है। जिस प्रकार पान कार्ड के साथ आधार कार्ड लिंक किया गया था उसी प्रकार चुनाव पहचान पत्र को भी आधार से जोड़ा जा सकता है। शिक्षकों का अभिप्राय है कि इससे शिक्षा कार्य को नुकसान होगा। शिक्षकों का यह भी कहना है कि बार बार इस प्रकार के काम सौंपने से शिक्षा कार्य प्रभावित कर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। गुजरात राज्य स्कूल संचालक संघ के प्रमुख भास्कर पटेल के मुताबिक इस प्रकार के अतिरिक्त काम सौंपने से शिक्षा कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में स्कूल का परिणाम कमजोर आता है तो स्कूलों के अनुदान में कटौती की जाती है और वक्त शिक्षकों से कराए गए अतिरिक्त काम को नोटिस नहीं किया जाता। पहले चुनाव अधिकारी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया था कि चुनाव के बाद शिक्षकों को अतिरिक्त कार्य नहीं दिया जाएगा। लेकिन चुनाव पूर्ण होने के गिनती के दिनों के बाद शिक्षकों को फिर एक बार चुनाव कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने का काम सौंपा गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)